शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 245 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 10 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बंगाल में सत्ता परिवर्तन अब तय हो चुका है : पीएम मोदी पेज 2
असम भाजपा ने राज्य की जनता का अभूतपूर्व लोकतांत्रिक जनादेश... पेज 3
उत्तर प्रदेश के बुनकरों की आय, सम्मान और स्थायित्व सुनिश्चित करना ... पेज 5
आईपीएल 2026 : रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स को.... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

गरीब धन की इच्छा करता है, पशु बोलने योग्य होने की, आदमी स्वर्ग की इच्छा करते हैं और धार्मिक लोग मोक्ष की।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

नादुआर के एक पोलिंग स्टेशन पर बीमार पड़ने से पोलिंग ऑफिसर की मौत

शोणितपुर (हि.स.)। शोणितपुर जिले के नादुआर विधानसभा क्षेत्र के एक पोलिंग स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात सहायक पोलिंग ऑफिसर की मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार नादुआर विधानसभा क्षेत्र नंबर 69 के सतियार डालपानी इलाके में पोलिंग स्टेशन नंबर 230 पर आज (गुरुवार) -शेष पृष्ठ दो पर

गौरीपुर में वोट डालते समय एक व्यक्ति की मौत

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिलांतर्गत गौरीपुर विधानसभा क्षेत्र के एक पोलिंग स्टेशन पर वोट डालते समय एक व्यक्ति की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, गौरीपुर विधानसभा क्षेत्र के तामरहाट में एक पोलिंग स्टेशन पर हुई। बाबर अली (54) की चार मरागधाधर एलपी स्कूल के बूथ नंबर 2108 के बाहर लाइन में खड़े थे। उसी समय, वह अचानक जमीन पर गिर पड़े। उन्हें तुरंत पास -शेष पृष्ठ दो पर

असम विस चुनाव में रिकॉर्ड 85.64 प्रतिशत मतदान, मतगणना 4 मई को

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया गुरुवार को लगभग शांतिपूर्वक समाप्त हुई। सुबह सात बजे से शुरू मतदान प्रक्रिया शाम पांच बजे समाप्त हुई। मतदान के दौरान दो स्थानों पर मारपीट के साथ दो-तीन अलग-अलग घटनाएं हुईं, हालांकि कुल मिलाकर 16वीं असम विधानसभा के चुनाव का मतदान शांतिपूर्वक रहा। इस बार राज्य में अभिलेख संख्या में मतदान हुआ। मतदान सुचारू रूप से समाप्त होने के बाद अब 4 मई को मतदान परिणामों की गणना के दिन पर सभी की नजरें टिकी हैं। राज्य में सुबह से ही सदिया से धुबड़ी तक मतदाता लगातार घरों से बाहर आते देखे गये। पहले के सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए शाम 5 बजे तक 84.42 प्रतिशत मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक जिले में दक्षिण शालमारा मानकाचर में सबसे अधिक 94.08 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं, गुवाहाटी के पांच विधानसभा क्षेत्रों में औसतन शाम पांच बजे तक 76.41 प्रतिशत मतदान हुआ। उल्लेखनीय है कि, असम की 126 विधानसभा क्षेत्रों में सुबह 7 बजे से मतदान प्रक्रिया शुरू हुई थी। हर मतदान केंद्र पर सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतार देखी गई। अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए मतदाता लोग बाहर आए थे। इसी बीच, राज्य के कई मतदान केंद्रों में सुबह ही ईवीएम खराब हो गई। इसके परिणामस्वरूप मतदान प्रक्रिया में कुछ देरी हुई। इसी तरह सुबह ही चुनाव में प्रतिस्पर्धा कर रहे उम्मीदवार

भी मतदान करने के लिए बाहर आए। प्रतिस्पर्धा करने वाले उम्मीदवारों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर लोगों के साथ कतार में लगकर मतदान किया। 16वीं असम विधानसभा के लिए 722 उम्मीदवारों ने चुनाव में भाग लिया। इनमें पुरुष उम्मीदवारों की संख्या 663 है और महिला उम्मीदवारों की संख्या 59 है। दल के रूप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सबसे अधिक 99 सीटों और भारतीय जनता पार्टी ने 90 सीटों में प्रतिस्पर्धा की है। उसी तरह आम आदमी पार्टी ने 18 सीटें, सीपीआई (एम) ने 2 सीटें, असम गण परिषद ने 26 सीटें, एआईयूडीएफ ने 30 सीटें, बीपीएफ ने 11 सीटें, यूपीपीएल ने 18 सीटें, ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने 2 सीटें, ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस ने 22 सीटें, अपनी जनता पार्टी ने 2 सीटें, असम जातीय -शेष पृष्ठ दो पर

विस चुनाव : शाम 5 बजे तक केरल में 75, पुडुचेरी में 86.92 फीसदी मतदान

नई दिल्ली (हि.स.)। केरल और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी के विधानसभा चुनाव के लिए सभी सीटों पर मतदान गुरुवार को संपन्न हो गया। छिटपुट हिंसा को छोड़ दें तो मतदान लगभग शांतिपूर्ण रहा। चुनाव आयोग के शाम 5 बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक केरल में 75.01 प्रतिशत और पुडुचेरी में 86.92 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के अभी अंतिम आंकड़े आना बाकी हैं। क्योंकि जो मतदाता निर्धारित समय खत्म होने से पहले से कतार में खड़े थे उनको मतदान का अवसर मिलेगा। तीनों राज्यों में मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ था। पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। केरल में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने सपरिवार किया मतदान

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा राजधानी गुवाहाटी के जालुकबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में स्थित अपने मतदान केंद्र पर पहुंचकर पत्नी, पुत्र एवं पुत्री के साथ मतदान किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है कि मैं भारतीय नागरिक के रूप में कर्तव्य स्वरूप लोकतांत्रिक अधिकार को स्थापित किया। असम विधानसभा चुनाव-2026 में एक -शेष पृष्ठ दो पर

वोट डालने के बाद सोनोवाल का बड़ा दावा, एनडीए जीतेगी सौ सीटें

गुवाहाटी। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला एनडीए असम विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल करेगा और उन्होंने अनुमान लगाया कि गठबंधन को लगभग 100 सीटें मिलेंगी। सोनोवाल ने कहा कि पहले दिन से ही मैं लगातार यही कहता आ रहा हूं कि अपने सहयोगियों के साथ मिलकर हम लगभग 100 सीटें जीतेंगे। जनता ने हमारे चुनाव प्रचार में जिस उत्साह से भाग लिया, उसी से मुझे यह -शेष पृष्ठ दो पर

पवन खेड़ा की जमानत याचिका में असम सरकार की एंट्री, तेलंगाना हाई कोर्ट में सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कानूनी प्रकोष्ठ के अधिवक्ता पोन्नम अशोक गौड़ ने गुरुवार को बताया कि असम के अधिवक्ता जनरल द्वारा मामले पर बहस करने की इच्छा जताए जाने के बाद तेलंगाना उच्च न्यायालय में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी गई। गौड़ ने कहा कि खेड़ा पर चुनाव नामांकन पत्रों में कथित तौर पर जानकारी न दाखिल करने या छिपाने का आरोप है, जो अभी तक साबित नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जब असम के अधिवक्ता जनरल पेश हुए, तो उन्होंने मामले पर बहस करने की इच्छा जताई। इसलिए मामले को आज दोपहर 2:15 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। उन पर लगे आरोप केवल चुनाव नामांकन पत्रों में जानकारी न दाखिल करने और उसे छिपाने से संबंधित हैं। इन आरोपों को साबित किया जाना चाहिए। इसके बजाय, राज्य ने स्थिति का फायदा उठाया, अपना पक्ष रखा और 24 घंटे के भीतर पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : बम धमाका मामले में तीन संदिग्ध गिरफ्तार, केएनए से जुड़े तार

कर्फ्यू के बावजूद सड़कों पर उतरे हजारों लोग

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में दो मासूम बच्चों की जान लेने वाले बम हमले के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षा बलों ने इस घटना में शामिल होने के शक में प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) के तीन संदिग्ध कैडरों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी चुराचांदपुर जिले में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान हुई। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों के पास से एक एके-47 राइफल, पिस्टल, गोलियां, 20 हजार रुपए नकद और करीब 21 किलो कच्ची अफीम बरामद की गई है। इसके अलावा तलाशी अभियान में अन्य हथियार भी जब्त किए गए। पुलिस का कहना है कि बम धमाके के बाद घाटी के कई इलाकों में विरोध प्रदर्शन हुए, जिन्हें सुरक्षा बलों ने काबू में किया। हालांकि, यूकेएनए ने इस घटना में अपनी संलिप्तता से इनकार किया है और गिरफ्तार लोगों को अपना सदस्य मानने से भी इंकार किया है। मणिपुर में ताजा हिंसा के बाद हालात की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने बुधवार को यूनिफाइड कमांड की उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में मुख्य सचिव, डीजीपी सहित सेना, असम राइफल्स, सीआरपीएफ, बीएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में राज्य की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा हालात की व्यापक समीक्षा की गई तथा शांति और स्थिरता बहाल करने के -शेष पृष्ठ दो पर

इस्लामाबाद में शांति वार्ता से पहले इजरायली राजदूत का बड़ा बयान- भरोसे लायक नहीं पाकिस्तान

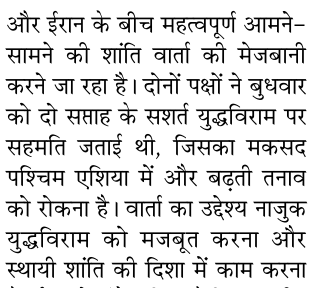

नई दिल्ली। इजरायल के भारत में राजदूत रियोवेन अजार ने गुरुवार को पाकिस्तान पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इस्लामाबाद आतंकवाद को प्रायोजित करता है और उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने अमेरिका-ईरान शांति वार्ता से ठीक पहले यह बयान दिया, जो पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका पर सवाल उठाता है। अजार ने कहा कि हम पाकिस्तान पर भरोसा नहीं करते क्योंकि वह आतंकवाद का स्पॉसर है। हम अपनी अमेरिकी दोस्तों पर भरोसा करते हैं कि वे इस स्थिति को संभालेंगे। पाकिस्तान शुक्रवार, 10 अप्रैल को अमेरिका और ईरान के बीच महत्वपूर्ण आमने-सामने की शांति वार्ता की मेजबानी करने जा रहा है। दोनों पक्षों ने बुधवार को दो सप्ताह के सशर्त युद्धविराम पर सहमति जताई थी, जिसका मकसद पश्चिम एशिया में और बढ़ती तनाव को रोकना है। वार्ता का उद्देश्य नाजुक युद्धविराम को मजबूत करना और स्थायी शांति की दिशा में काम करना है। ईरान ने संकेत दिया है कि बातचीत उसके प्रस्तावित 10 सूत्री प्लान के आधार पर होगी, जिसमें प्रतिबंधों में राहत भविष्य के हमलों से सुरक्षा और होर्मुज की खाड़ी से संबंधित -शेष पृष्ठ दो पर

झूठ और धोखे की राजनीति कर रही कांग्रेस : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया के माध्यम से कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता अपनी ही हरकतों के कारण पवन खेड़ा को जेल की ओर धकेल रहे हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने अपने पोस्ट में कहा कि कांग्रेस नेताओं की हताशा इस हद तक बढ़ गई है कि वे पूरी तरह से मनगढ़ंत दस्तावेज जारी कर रहे हैं, जिन्हें उनकी टीम पहले ही उजागर कर चुकी है। उन्होंने कहा कि यह अब राजनीति नहीं रह गई है, बल्कि यह खुला धोखा है। शर्मा ने आगे कहा कि कांग्रेस का पूरा तंत्र अपनी जिम्मेदारी की भावना खो चुका है और जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि कुछ ही घंटों में असम की जनता इस धोखे का करारा जवाब देगी और कांग्रेस नेतृत्व को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

भय नहीं, भरोसे से आएगा पश्चिम बंगाल में निवेश : मोदी

हल्दिया (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के हल्दिया में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि निवेश का माहौल डर से नहीं, बल्कि भरोसे से बनता है, जो केवल भाजपा ही दे सकती है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव सामान्य नहीं, बल्कि *बंगाल के वैभव को पुनर्स्थापित करने* का चुनाव है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल कभी देश की आर्थिक और औद्योगिक प्रगति का केंद्र हुआ करता था, लेकिन वर्तमान सरकार ने राज्य को विकास के पैमानों पर पीछे धकेल दिया है। उन्होंने हल्दिया के ऐतिहासिक महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि प्राचीन काल में यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार का प्रमुख केंद्र था और आधुनिक भारत में भी एक बड़ा औद्योगिक हब रहा है, लेकिन अब यहां की फैक्टरियां बंद हो रही हैं। मोदी ने तृणमूल पर *भय और सिंडिकेट की राजनीति* करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उद्योग -शेष पृष्ठ दो पर

सीएपीएफ बिल के विरोध में सैन्य कर्मियों के परिजनों का राजघाट पर प्रदर्शन

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के मौजूदा और पूर्व कर्मियों के परिजनों ने हाल ही में पारित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, (सीएपीएफ) 2026 के खिलाफ गुरुवार को राजघाट पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इस विधेयक को *काला कानून* बताते हुए सरकार से इसे वापस लेने और संगठित समूह-ए सेवा (ओजीएएस) और पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) लागू करने की मांग की। इस विधेयक पर विरोध सीएपीएफ अधिकारियों के करियर में ठहराव आने और राज्यों के अधिकारों में कटौती होने की वजह से हो रहा है। बिल में डीजी और स्पेशल डीजी की पोस्ट पर केवल आईपीएस अधिकारियों को डेपुटेशन पर -शेष पृष्ठ दो पर

विकसित भारत के लिए नवाचार और लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन आवश्यक : ओम बिरला

पणजी/नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग, नवाचार और लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन बहुत आवश्यक है। ओम बिरला ने यह बात गोवा की राजधानी पणजी में कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन (सीपीए) इंडिया क्षेत्र के जोन 7 का पहले दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन में कही। इसका उद्देश्य संसदीय लोकतंत्र को सशक्त बनाना और क्षेत्रीय विकास के साझा विजन को गति देना है। उन्होंने विधि निर्माताओं से कहा कि वे अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर पूरी ईमानदारी के साथ जनता की उम्मीदों और आकांक्षाओं पर खरा उतरें। चुने हुए प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे जनता की अपेक्षाओं को पूरा करें लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाएं और पारदर्शी, समावेशी तथा जवाबदेह शासन सुनिश्चित करें। जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए दूरदर्शिता, समर्पण और जन कल्याण के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता आवश्यक है। ये गुण एक विकसित, न्यायपूर्ण और आत्मनिर्भर भारत के -शेष पृष्ठ दो पर

सीजफायर के बीच नेतन्याहू का एलान

समझौता करें या युद्ध, इजराइल हर हाल में पूरा करेगा लक्ष्य

तेल अबीब। मध्य-पूर्व में जारी तनाव के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेजांमीन नेतन्याहू ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इजराइल अपने सभी सैन्य और रणनीतिक लक्ष्यों को हर हाल में पूरा करेगा। चाहे वह समझौते के जरिए हो या फिर दोबारा युद्ध शुरू करके। नेतन्याहू ने देश के लोगों की हिम्मत और सेना की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि इस संघर्ष में इजराइल ने बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने दावा किया कि ईरान अब पहले से कहीं ज्यादा कमजोर हो गया है, जबकि इजराइल पहले से ज्यादा मजबूत स्थिति में है। उन्होंने उन सैनिकों और नागरिकों को भी श्रद्धांजलि -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

बंगाल में सत्ता परिवर्तन अब तय हो चुका है : पीएम मोदी

आसनसोल (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और राज्य में *डबल इंजन सरकार* बनने का दावा किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में परिवर्तन की लहर चल रही है और अब यह परिवर्तन *पत्थर की लकीर* बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के आसनसोल में चुनावी जनसभा में कहा कि पश्चिम बर्धमान की जनता का उत्साह और जनसैलाब इस बात का संकेत है कि पूरा बंगाल बदलाव चाहता है। टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका है और आगामी चुनाव राज्य के भविष्य को नई दिशा देने वाला साबित होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि 4 मई के बाद राज्य में नई सरकार बनेगी और बंगाल विकास के नए युग में प्रवेश करेगा। मोदी ने आरोप लगाया कि टीएमसी के शासन में राज्य के संसाधनों, संभावनाओं और युवाओं के अवसरों पर *गुंडों का कब्जा* हो गया है। बंगाल की संपत्ति, जो विकास में लगनी चाहिए थी, उसकी खुलेआम लूट हो रही है। टीएमसी राज्य को आगे ले जाने के बजाय पीछे धकेल रही है। प्रधानमंत्री ने आसनसोल-दुर्गापुर क्षेत्र के औद्योगिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यह इलाका कभी देश के औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र हुआ करता था। उन्होंने कहा कि साइकिल से लेकर रेल, पेपर से लेकर स्टील, एल्युमिनियम से लेकर ग्लास तक, यहां उद्योगों की लंबी श्रृंखला थी लेकिन आज उद्योगों का पलायन हो रहा है और युवाओं को रोजगार के लिए राज्य से बाहर जाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की आय में बंगाल का योगदान लगभग 12 प्रतिशत था, जो अब घटकर काफी कम हो गया है। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस, वामपंथी दलों और टीएमसी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन सभी दलों ने बंगाल के लोगों के साथ विश्वासघात किया और राज्य के विकास को बाधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चुनाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि आसनसोल और पूरे बंगाल को उसकी पुरानी औद्योगिक पहचान लौटाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि *माफियाराज से मुक्ति* और विकास का रास्ता केवल भाजपा-नीत राजग सरकार ही दे सकती है। मोदी ने कहा कि पिछले कई दशकों में बंगाल की जनता ने कांग्रेस, वामपंथियों और टीएमसी सभी पर भरोसा किया, लेकिन सभी ने जनता को निराश किया। अब लोग केवल वादों पर नहीं, बल्कि काम और ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर निर्णय लेना चाहते हैं और इस मामले में भाजपा सबसे मजबूत है। प्रधानमंत्री ने कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भी राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल से जुड़ी घटनाओं और संदेशखाली का उल्लेख करते हुए कहा कि ये घटनाएं दर्शाती हैं कि टीएमसी अपराधियों के साथ खड़ी है। राज्य में महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करतीं और एसिड अटैक जैसे मामलों में वृद्धि चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार की *बौखलाहट* के कारण वह केंद्रीय सुरक्षा बलों, विशेषकर सीआरपीएफ पर भी सवाल उठा रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता इसका जवाब देगी और राज्य में कानून का राज स्थापित होगा। घुसपैठ के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बंगाल के लोगों की बड़ी चिंता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय बदलाव हो रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों की आस्था, आजीविका और सुरक्षा प्रभावित हो रही है। मोदी ने कहा कि 23 अप्रैल को होने वाला मतदान बंगाल के भविष्य के लिए निर्णायक होगा। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे अपने वोट का उपयोग राज्य में सुरक्षा, विकास और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा का मंत्र *सबका साथ, सबका विकास* है, लेकिन जिन्होंने बंगाल को लूटा है, उनके लिए *सबका हिसाब* होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी और हर समस्या का समाधान किया जाएगा।

बंगाल में बदलाव जरूरी डबल इंजन सरकार लाएं : नितिन नवीन

मालदा (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राज्य में बदलाव की अपील की। गुरुवार को ओल्ड मालदा में आयोजित पार्टी बैठक में उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। नितिन नवीन ने आरोप लगाया कि तृणमूल शासन में *मां, माटी, मानुष*—तीनों ही संकट में है। उन्होंने कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा खतरे में है, जमीन पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और लोग बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। राज्य के औद्योगिक हालात पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि एक समय का विकसित बंगाल अब उद्योगहीन हो गया है और युवाओं के पास रोजगार के अवसर नहीं है। लोगों की निर्भरता सिर्फ सरकारी भत्तों पर बढ़ गई है। उन्होंने राज्य की कला, संस्कृति और खेल जगत को लेकर भी सरकार की आलोचना की और कहा कि तृणमूल के शासन में इन क्षेत्रों का विकास रुक गया है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व को मजबूत करने और राज्य में *डबल इंजन* सरकार लाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा को सत्ता में लाना जरूरी है।

धिंग में मतदान केंद्र पर झड़प कतार विवाद को लेकर मारपीट

नगांव (हि.स.)। धिंग विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार को एक मतदान केंद्र पर उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब दो दलों के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बरभेटी पंचायत के 166 नंबर मतदान केंद्र पर राइजर दल और एआईयूडीएफ के समर्थकों के बीच जमकर मारपीट हुई। दोनों पक्षों के बीच विवाद तेजी से बढ़कर हिंसक झड़प में बदल गया। बताया जा रहा है कि मतदान के लिए कतार में खड़े होने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते उग्र हो गया और स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने हस्तक्षेप कर हालात को काबू में किया, जिसके बाद मतदान प्रक्रिया को पुनः सुचारू रूप से शुरू कराया गया। उधर नदुवार विधानसभा के 230 नंबर दलापानि मतदान केंद्र में मतदान शुरू होने से पूर्व एक सहयोगी पुलिंग अधिकारी की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार अधिकारी सुबह 5 बजे के आसपास अस्वस्थ हो गया तत्काल एंबुलेंस से विश्वनाथ चारियाली असमारिक चिकित्सालय ले जाया गया। चिकित्सक ने अधिकारी को मृत घोषित कर दि मृत पुलिंग अधिकारी का नाम देवेन हर उम्र 45 बताया गया है और उनका घर रांगापाड़ा के कछारी गांव बताया गया है। घटना के बाद कुछ समय के लिए मतदान रोका गया। बाद में पुनः मतदान शुरू हो गया। सतिया पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए तेजपुर मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए पूसीरे ने शुरू की अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें

गुवाहाटी (हि.स.)। यात्री सुविधा को बेहतर बनाने और निर्बाध यात्रा का अनुभव प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें शुरू की हैं तथा मौजूदा सेवाओं का विस्तार किया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने गुरुवार को बताया कि यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए ट्रेन संख्या 05754/05753 (न्यू जलपाईगुड़ी-मालदा टाउन-न्यू जलपाईगुड़ी) स्पेशल शुरू की गई है। ट्रेन संख्या 05754 (न्यू जलपाईगुड़ी - मालदा टाउन) और ट्रेन संख्या 05753 (मालदा टाउन - न्यू जलपाईगुड़ी) 10 से 30 अप्रैल तक मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार, रविवार और सोमवार को चलेंगी और प्रत्येक दिशा में 15 फेरें पूरा करेगी। यह ट्रेन आलुआबाड़ी रोड, किशनगंज, डालखोला, बारसोई, कुमेदपुर, हरिश्चंद्रपुर, समसी, एकलाखी और ओल्ड मालदा जैसे स्टेशनों से होकर गुजरेगी तथा यात्रियों को आरामदायक और कुशल यात्रा का अनुभव सुनिश्चित करने के लिए 22 कोच के साथ संचालित होगी। इसके अलावा, लंबी दूरी की कनेक्टिविटी को और अधिक बेहतर बनाने के लिए स्पेशल ट्रेन संख्या 04127 (कानपुर सेंट्रल-गुवाहाटी) स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 09 अप्रैल से 14 मई तक चलेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04128 (गुवाहाटी-कानपुर सेंट्रल) स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 10 अप्रैल से 15 मई तक चलेगी। यह ट्रेन प्रयागराज, वाराणसी, बरौनी, कटिहार, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू बंगाईगांव, रंगिया और कामाख्या आदि प्रमुख स्टेशनों से होकर चलेगी। यह सेवा 16 कोचों के साथ संचालित होगी। इसके अलावा, स्पेशल ट्रेन संख्या 07046 (सिकंदराबाद-नाहरलगुन) 10 अप्रैल से 22 मई तक साप्ताहिक चलेगी, जो शुक्रवार को सिकंदराबाद से रवाना होगी। वापसी की दिशा में, स्पेशल ट्रेन संख्या 07047 (नाहरलगुन - सिकंदराबाद) 13 अप्रैल से 25 मई तक साप्ताहिक चलेगी, जो सोमवार को नाहरलगुन से रवाना होगी। ये दोनों सेवाएं सात-सात फेरे पूरे करेंगी और ट्रेन में 22 कोच होंगे। इसके अतिरिक्त, ट्रेन संख्या 05698/05697 (गुवाहाटी-जलपाईगुड़ी रोड-गुवाहाटी) स्पेशल द्विसाप्ताहिक चलेगी, जिसमें प्रत्येक दिशा में सात ट्रिप होंगे। ट्रेन संख्या 05698 (गुवाहाटी-जलपाईगुड़ी रोड) 09 से 30 अप्रैल तक प्रत्येक गुरुवार और रविवार को चलेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 05697 (जलपाईगुड़ी रोड-गुवाहाटी) 10 अप्रैल से 01 मई तक प्रत्येक शुक्रवार और सोमवार को चलेगी।

ब्रह्मपुत्र मेल में सीट के लिए हिंसक संघर्ष पांच लोग घायल, चार सदिग्ध गिरफ्तार

फकीराग्राम। चलती ट्रेन में सीट पर बैठने को लेकर हुआ मामूली विवाद रविवार को एक हिंसक संघर्ष में बदल गया। ब्रह्मपुत्र मेल में सीट कब्जाने की बात पर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें कई गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रेन में सीट पर बैठने को लेकर दो पक्षों के बीच पहले तीखी बहस शुरू हुई। देखते ही देखते यह बहस मारपीट में तब्दील हो गई। हमलावरों ने एक परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित परिवार के सदस्यों ने खुद को बचाने की कोशिश की, लेकिन इस झड़प में परमा दे (34), सुजीत नंदी (41), सुब्रतो नंदी (44) तुसार नंदी (15) ओर रोशनी नंदी घायल हो गए। ट्रेन के फकीराग्राम रेलवे स्टेशन पहुंचते ही पीड़ित परिवार ने तुरंत रेलवे पुलिस (जीआरपी) को मामले की जानकारी दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए फकीराग्राम जीआरपी ने त्वरित कार्रवाई की और हमले में शामिल होने के संदेह में जासीनूर अली (33), मजमिल हक (38) मिजेनूर रहमान (31) ओर रेनी (26) को हिरासत में ले लिया। फिलहाल हिरासत में लिए गए संदिग्धों से जीआरपी थाने में पूछताछ की जा रही है। रेल पुलिस के अनुसार मामले की गहनता से जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया है। ट्रेन जैसे सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा व्यवस्था और यात्रियों के बीच बढ़ती इस तरह की हिंसक घटनाओं ने आम जनता के बीच चिंता पैदा कर दी है। इस घटना के बाद ट्रेन के अन्य यात्रियों में काफी समय तक अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बना रहा। वही इस घटना को लेकार एक स्टेशन मे काफी लोग इकट्ठा हो गए ओर परिस्थिति काफी खराब होने लगा इसे देखते हुवे कोकराझाड़ जिला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व मे पुलिस सीआरपीएफ के दल ने मामले को नियंत्रण किया।

पृष्ठ एक का शेष

असम विस चुनाव में ...

परिषद ने 10 सीटें, भारतीय गण परिषद ने 4 सीटें, सीपीआई ने 3 सीटें, सीपीआई (एमएल) ने 3 सीटें, गण सुरक्षा पार्टी ने 10 सीटें, गोंडवाना जनतंत्र पार्टी ने 3 सीटें, झाड़खंड मुक्ति मोर्चा ने 16 सीटें, नेशनल पीपल्स पार्टी ने 2 सीटें, राइजर दल ने 13 सीटें, राष्ट्रीय उलेमा काउंसिल ने 10 सीटें, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठवाले) ने 4 सीटें, रेवोल्यूशनरी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (रोसिक भट्ट) ने 1 सीट, सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) ने 41 सीटें, नेशनल रोड मैप पार्टी ऑफ इंडिया ने 2 सीटें, विकास इंडिया पार्टी ने 5 सीटें और वोटर्स पार्टी इंटरनेशनल ने 17 सीटों पर मुकाबला किया है। 16वीं असम विधानसभा के लिए मुकाबला कर रहे उम्मीदवारों में 258 निर्दलीय उम्मीदवार भी हैं। ज्ञात हो कि, 2021 की विधानसभा चुनाव में भाजपा, अगप और यूपीपीएल दल एनडीए गठबंधन के सदस्य के रूप में चुनाव में भाग लिया था। हालांकि, इस बार यूपीपीएल दल इस गठबंधन का सदस्य नहीं है। इसके बजाय बीपीएफ दल ने एनडीए गठबंधन के सदस्य के रूप में समझौते के तहत चुनावी मैदान में कदम रखा है। दूसरी ओर, पिछली बार कांग्रेस, एआईयूडीएफ और सीपीआई(एम) दल ने गठबंधन बनाकर चुनाव में भाग लिया था, जबकि इस बार एआईयूडीएफ दल किसी भी प्रकार के गठबंधन में शामिल नहीं हुआ है। इस बार कांग्रेस गठबंधन ने अखिल गोगोई के राइजर दल और लुरीनज्योति गोगोई नेतृत्व वाली असम जातीय परिषद के साथ चुनावी समझौता किया है। उल्लेखनीय है कि, प्रतिद्वंद्विता कर रहे उम्मीदवारों में सामूहिक आधार पर सबसे अधिक उम्मीदवारों वाले क्षेत्रों की संख्या दो है। ये हैं 122 नंबर अल्गापुर-काटलिचेरा और 124 नंबर दक्षिण करीमगंज। इन दोनों क्षेत्रों में 15-15 उम्मीदवार प्रतिद्वंद्विता में भाग ले रहे हैं। इसी तरह, सबसे कम उम्मीदवार वाले क्षेत्रों की संख्या 9 है। इन क्षेत्रों में केवल 2-2 उम्मीदवार ही प्रतिद्वंद्विता कर रहे हैं। ये क्षेत्र हैं - 31 नंबर रंगिया, 52 नंबर जागीरोड (अनुसूचित जाति), 63 नंबर होजाई, 69 नंबर नदुआर, 80 नंबर जोनाई (अनुसूचित जनजाति), 82 नंबर दुमदुमा, 94 नंबर महमारा, 99 नंबर टियक और 114 नंबर लखीमपुर क्षेत्र है। असम के कुल 126 क्षेत्रों में से 98 सामान्य वर्ग के हैं, जबकि 9 क्षेत्र अनुसूचित जाति और 19 क्षेत्र अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। असम में कुल 19 अनुसूचित जनजाति आरक्षित क्षेत्र हैं। 16वें असम विधानसभा चुनाव का मतदान पूरी होने के बाद अब सभी की नजरें ईवीएम पर टिकी हुई हैं। जिला-दर-जिला स्थापित स्ट्रॉन्ग रूम में इन ईवीएम को जमा किया जा रहा है। ज्ञात हो कि 15 मार्च को चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा के सामान्य चुनाव की तारीख घोषित की थी। 9 अप्रैल को असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव आयोजित होने के साथ-साथ कर्नाटक (बगलकोट, धवांगरे दक्षिण), नगालैंड (कोरिधोंग), और त्रिपुरा (धर्मनगर) में उप-चुनाव हुए। इसके बाद 23 अप्रैल को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव और पश्चिम बंगाल में पहले चरण की वोटिंग आयोजित होगी, वहीं गुजरात (उमरेठ) और महाराष्ट्र (राहुरी, बारामती) में भी उप-चुनाव उसी दिन होंगे। आगामी 29 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की वोटिंग होगी। इन सभी राज्यों की वोटिंग पूरी होने के बाद 4 मई को परिणाम घोषित किए जाएंगे।

विस चुनाव : शाम 5 ...

मतदान किया। केरल की 140 विधानसभा सीटों पर 890 उम्मीदवार चुनाव मैदान में रहे। यहां 2.71 करोड़ मतदाता हैं और चुनावी मुकाबला लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ), यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के बीच त्रिकोणीय बना हुआ है। एलडीएफ जहां लगातार पांचवीं बार सत्ता में लौटने का लक्ष्य लेकर चल रहा है, वहीं विपक्षी गठबंधन उसे कड़ी चुनौती दे रहे हैं। पुडुचेरी में 30 सीटों पर कुल 294 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। केंद्रशासित प्रदेश में 9.5 लाख से अधिक मतदाताओं में से करीब 24,919 पहली बार मतदात बने थे। पुडुचेरी, कराईकल, माहे और यानम क्षेत्रों में कुल 1,099 मतदान केंद्र स्थापित किए गए।

मुख्यमंत्री ने सपरिवार ...

मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध असम के निर्माण के लिए मैंने मतदान किया है। साथ ही आम लोगों से पूछा है कि क्या आपने मतदान किया है? उल्लेखनीय है कि, असम विधानसभा चुनाव में मतदान करने से पहले गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने अपनी पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा, पुत्री सुकन्या और पुत्र नंदिल के साथ माता कामाख्या के श्री चरणों में प्रणाम अर्पित किए। उसके बाद राजधानी के आजरा इलाके में स्थित गरल बुनियादी प्राथमिक विद्यालय स्थित मतदान केंद्र में पहुंचकर मतदान किया।

वोट डालने के बाद ...

विश्वास हुआ है। उन्होंने पिछले एक दशक में एनडीए सरकार के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किए गए कार्यों को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि हमने महत्वपूर्ण सामाजिक न्याय दिलाया है, उनके जीवन को समृद्ध किया है और उन्हें विकास के पथ पर अग्रसर करने के लिए आवश्यक ढांचा तैयार किया है। उन्हें मोदी जी पर अपार विश्वास है। इस बीच, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा ने मतदान से पहले पूजनीय कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की और नागरिकों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। पांडा ने दिन की हल्की बूंदाबांदी को शुभ बताते हुए कहा कि यह लोकतंत्र का त्योहार है, और कृपया अपने अधिकार का प्रयोग करें और अपना वोट अवश्य डालें। केरल और पुडुचेरी को भी शामिल करने वाले व्यापक चुनावी अभियान के तहत असम के 126 निर्वाचन क्षेत्रों में सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, सुबह 9 बजे तक मतदान प्रतिशत 17.87 रहा। असम में 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए 25 लाख से अधिक मतदाता मतदान के पात्र हैं। चुनाव में 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। 2,50,54,463 मतदाताओं में से 1,25,31,552 पुरुष और 1,25,22,593 महिलाएं हैं। इनमें 318 ट्रांसजेंडर मतदाता और 63,423 सेवा-सेवारत मतदाता शामिल हैं। मतदाताओं में 6,42,314 मतदाता 18-19 वर्ष आयु वर्ग के हैं, 2,50,006 मतदाता 80 वर्ष से अधिक आयु के हैं और 2,05,085 दिव्यांगजन हैं। प्रतिनिधित्व तंत्र को मजबूत करने के लिए आयोग के निर्देशों के अनुसार वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है, एक विज्ञप्ति में यह बताया गया है। 31,486 मुख्य मतदान केंद्रों और चार सहायक मतदान केंद्रों सहित सभी 31,490 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग शुरू कर दी गई है।

पवन खेड़ा की जमानत ...

सुरक्षा में एक टीम को दिल्ली भेज दिया। उन्हें संभावित गिरफ्तारी और यहां तक कि शारीरिक दुर्व्यवहार की आशंका थी। अनुच्छेद 14 के तहत, हमें अपना बचाव करने का पूरा अधिकार है। इसीलिए वे अदालत के समक्ष आए और हमने याचिका दायर की। गौड़ ने आगे आरोप लगाया कि राज्य ने जल्दबाजी में कार्रवाई की, और दावा किया कि 24 घंटे के भीतर ही पुलिस की एक टीम दिल्ली भेज दी गई थी। उन्होंने कहा कि उन्हें गिरफ्तारी और यहां तक कि शारीरिक दुर्व्यवहार की आशंका थी। अनुच्छेद 14 के तहत हमें अपना बचाव करने का पूरा अधिकार है। इसीलिए, उन्होंने अदालत का रुख किया और याचिका दायर की। अधिकार क्षेत्र के मुद्दे पर गौड़ ने कहा कि प्रतिवादी ने तर्क दिया कि याचिका तेलंगाना के बजाय दिल्ली या असम में दायर की जानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि प्रतिवादी पक्ष के वकील का तर्क है कि अधिकार क्षेत्र नहीं है, हमें याचिका दिल्ली या असम में दायर करनी चाहिए थी... अंतिम फैसला कल सुबह लगभग 11 बजे आएगा। इससे पहले दिन में, असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्वा शर्मा ने कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा पर निशाना साधते हुए उन्हें *भगोड़ा* कहा। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी कहां है? कौन सी कांग्रेस पार्टी? मैंने तो इसके बारे में सुना भी नहीं है। पवन खेड़ा कौन है? वह भगोड़ा है। मुझे उसे जवाब देने की क्या जरूरत है?

मणिपुर : बम धमाका मामले ...

लिए ठोस रणनीतियों पर चर्चा हुई। हालांकि, प्रशासन के अनुसार स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है, लेकिन तनाव बना हुआ है। कर्फ्यू, भारी पुलिस बल की तैनाती और इंटरनेट प्रतिबंध जारी हैं। सरकार ने ब्राडबैंड सेवाएं आंशिक रूप से बहाल की हैं, जबकि मोबाइल इंटरनेट अब भी बंद रखा गया है। उधर मणिपुर के घाटी क्षेत्रों के पांच जिलों में कर्फ्यू को दरकिनार करते हुए हजारों लोगों ने बम हमले के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाकर विरोध जताया और दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। इस हमले में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई थी। इंफाल पश्चिम जिले के टिड्डिम लाइन में ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन (एएमयूसीओ) के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने घटना की निंदा करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। हालांकि सुरक्षा बलों ने रैली को क्वाकेइथेल के पास आगे बढ़ने से रोक दिया। बाद में संगठन के प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह से मिलने ले जाया गया। 7 अप्रैल को बिष्णुपुर जिले के त्रोंगलाओबी इलाके में संदिग्ध उग्रवादियों ने एक घर पर बम फेंका था, जिसमें 5 साल के बच्चे और उसकी 6 महीने की बहन की मौत हो गई थी। घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने सीआरपीएफ कैंप पर हमला कर तोड़फोड़ और वाहनों में आगजनी की। स्थिति को काबू करने के लिए सुरक्षा बलों की ओर से की गई फायरिंग में तीन प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए। आज इंफाल पश्चिम के समुरोउ में प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। बिष्णुपुर के मोइरांग लामखाई और निंगथौखोंग में टायर जलाकर सड़क जाम किया गया। इंफाल पूर्व, थौबल और काकचिंग जिलों में भी इसी तरह के प्रदर्शन देखने को मिले। बुधवार रात इंफाल पूर्व के खुरई लामलोंग में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई, जहां भीड़ ने पथराव किया। जवाब में सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे। पुलिस ने त्रोंगलाओबी घटना के बाद चलाए गए अभियान में यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी के तीन संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया है। हालांकि पुलिस ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि उनका इस हमले से सीधा संबंध है या नहीं।

इस्लामाबाद में शांति वार्ता ...

व्यवस्था शामिल है। अमेरिका और ईरान के बीच गहरा अविश्वास अभी भी बरकरार है। लेबनान में सीजफायर उल्लंघनों की चिंताएं और यह तथ्य कि ईरान बातचीत कर रहा था, उसी दौरान 28 मार्च को अमेरिका और इजरायल ने हमले किए थे। इन सबने अविश्वास को और बढ़ा दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दोनों पक्षों को इस्लामाबाद आमंत्रित किया है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वांस करेंगे, जबकि ईरान अपने 10-सूत्री प्लान पर जोर दे रहा है। इजरायल ने स्पष्ट रूप से पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका को विश्वसनीय नहीं बताया है और कहा है कि वह अमेरिका के फैसले का सम्मान करता है, लेकिन खुद पाकिस्तान पर भरोसा नहीं करता।

भय नहीं, भरोसे से ...

और फैक्टरियां *गुंडाराज* से नहीं, बल्कि भरोसे से चलती हैं। जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है, वहां विकास और निवेश का माहौल इसी भरोसे पर खड़ा हुआ है और बंगाल में भी ऐसा ही मॉडल लागू किया जाएगा। रोजगार और पलायन के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कभी हल्दिया में लोग रोजगार के लिए आते थे, लेकिन आज यहां के युवा काम की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार में निजी क्षेत्र में अवसर सीमित हैं और सरकारी भर्तियों में भ्रष्टाचार हुआ है, जिससे युवाओं के सपने टूटे हैं। राजनीतिक हमले को तेज करते हुए मोदी ने कहा कि राज्य में *कट मनी और कमीशन* का सिस्टम चल रहा है, जिससे आम जनता परेशान है। उन्होंने दावा किया कि बंगाल के लोग इस बार बदलाव का मन बना चुके हैं और भाजपा की जीत का उत्साह जनता में साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने नंदीग्राम का जिक्र करते हुए कहा कि पांच साल पहले वहां के नतीजों ने परिवर्तन का रास्ता दिखाया था और अब भवानीपुर में भी वही दोहराया जाएगा। यह संकेत था 2021 के विधानसभा चुनाव में हुए मुकाबले का, जहां सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को कड़ी चुनौती दी थी। धर्म आधारित आरक्षण के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने तृणमूल सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया कि वह अपने वोटबैंक को साधने के लिए संविधान के खिलाफ जाकर नीतियां बना रही है। उन्होंने कहा कि अदालतें इस तरह के प्रयासों को बार-बार खारिज कर चुकी हैं, लेकिन तुष्टीकरण की राजनीति के कारण सरकार न तो न्यायपालिका का सम्मान कर रही है और न ही संविधान का। मोदी ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर सभी योजनाएं संविधान के अनुसार लागू की जाएंगी और हर वर्ग को उसका अधिकार मिलेगा। उन्होंने विशेष रूप से माहिष्य समुदाय का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी मांगों को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है। केंद्र सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री *मत्स्य संपदा योजना* के कारण देश में मछली और झींगा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, लेकिन बंगाल में इस योजना को ठीक से लागू नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार *पीएम* नाम से जुड़ी योजनाओं को या तो बदल देती है या लागू नहीं करती। इसी संदर्भ में उन्होंने आयुष्मान भारत योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह योजना गरीबों और बुजुर्गों को मुफ्त इलाज देती है, लेकिन बंगाल में इसे लागू नहीं होने दिया गया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक द्वेष के कारण जनता का नुकसान हो रहा है। प्रधानमंत्री ने *डबल इंजन सरकार* की वकालत करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने से विकास तेज होता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा की सरकार बनने पर बंगाल में बंदरगाह आधारित विकास, ब्लू इकॉनमी और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा, जिससे किसानों और मछुआरों को सीधा लाभ होगा। मोदी ने रोजगार सृजन का वादा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य में भी रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे, ताकि युवाओं को अधिक अवसर मिल सकें। बंगाल में परिवर्तन की लहर चल पड़ी है और जनता भय की राजनीति को खत्म कर विकास और विश्वास के रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

सीएपीएफ बिल के विरोध ...

लाने का प्रावधान है, जबकि बल के कैडर अधिकारियों के लिए स्पष्ट व्यवस्था नहीं की गई है। इसी तरह एडीजी और आईजी स्तर पर भी आईपीएस अधिकारियों को प्राथमिकता दी गई है। यह विधेयक संसद के दोनों सदनों में पारित किया गया था। इसे सबसे पहले 1 अप्रैल को राज्यसभा में ध्वनिमत से मंजूरी मिली और अगले दिन लोकसभा से भी पारित कर दिया गया। यह विधेयक सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी जैसे बलों से संबंधित है और इसके लागू होने के बाद सीएपीएफ से जुड़े सभी प्रशासनिक अधिकार केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास होंगे।

विकसित भारत के लिए ...

निर्माण के लिए जरूरी हैं। जन प्रतिनिधियों को विज्ञान और तकनीक की शक्ति का उपयोग करके लोगों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। एआई जैसी आधुनिक तकनीकों के इस दौर में भी मानवीय संवेदनशीलता उतनी ही जरूरी है। बिरला ने विधि निर्माताओं से कहा कि वे जनता से जुड़कर उनकी समस्याओं को समझें और सहानुभूति के साथ उनका समाधान करें जो प्रतिनिधि नीतियों और कानूनों पर चर्चा में सक्रिय रहते हैं वे अपने राज्यों में मजबूत नेता बनकर उभरते हैं। विधि निर्माताओं को प्रक्रियाओं की जितनी अधिक जानकारी होगी उनकी भागीदारी उतनी ही प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि जन कल्याण और अच्छे शासन के लिए राज्यों के विधानमंडलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बहुत जरूरी है। संसदीय लोकतंत्र को दुनिया की सबसे बेहतर शासन प्रणाली माना जाता है। 1952 से हर चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ना भारत के मजबूत और जीवंत लोकतंत्र का प्रमाण है। युवा विधि निर्माताओं की भूमिका पर बोलते हुए बिरला ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की अहम भूमिका है। भविष्य के नेताओं के रूप में युवाओं को नई नीतियां बनाने, सभी वर्गों के विकास को आगे बढ़ाने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। युवाओं की ऊर्जा, नई सोच और जन सेवा के प्रति समर्पण देश को समृद्ध, आत्मनिर्भर और न्यायपूर्ण बना सकता है तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी विकास सुनिश्चित कर सकता है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि जनता की अपेक्षाएं बहुत अधिक हैं और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में मजबूत विधायी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि सीपीए इंडिया रीजन के नए जोन-7 के अंतर्गत आने वाले राज्यों के सामने अलग-अलग चुनौतियां हैं लेकिन सहयोग और मिलकर काम करने की भावना से इन चुनौतियों को अवसरों में बदला जा सकता है। विशेष रूप से तटीय विकास जैसे क्षेत्रों में राज्य एक-दूसरे से सीख सकते हैं और सर्वोत्तम तरीकों को अपनाकर आगे बढ़ सकते हैं। इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, गोवा के मुख्यमंत्री डॉ प्रमोद सावंत, महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति राम शिंदे और महाराष्ट्र विधान सभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में गोवा विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. गणेश गांवकर ने स्वागत भाषण दिया। लोकसभा सचिवालय के अनुसार यह सम्मेलन 2024 में सीपीए इंडिया क्षेत्र का जोन 7 गोवा, गुजरात और महाराष्ट्र की विधानसभाओं से मिलकर बना है। इसको 9 क्षेत्रों में पुनर्गठित किए जाने के बाद यह जोन 7 का पहला सम्मेलन है। वर्तमान में गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष इस जोन के अध्यक्ष हैं।

समझौता करें या युद्ध...

दी, जिन्होंने इस संघर्ष में अपनी जान गंवाई। साथ ही, घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इस बयान के बीच जमीनी हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने बेरूत में हिजबुल्लाह के एक बड़े नेता के करीबी सहयोगी अली यूसुफ हर्शी को मार गिराया है। इसके अलावा, दक्षिणी लेबनान में हथियारों के ठिकानों और सप्लाई रूट्स को भी निशाना बनाया गया है। इजराइल का कहना है कि लेबनान में उसकी कार्रवाई जारी रहेगी, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच हुए सीजफायर में लेबनान शामिल नहीं है। इस बात को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स ने भी स्पष्ट किया है कि ऐसा कोई वादा नहीं किया गया था। इस बीच, इजराइल की कार्रवाई से लेबनान में हालात और खराब हो गए हैं। लगातार हमलों के कारण वहां भारी जनहानि और तबाही की खबरें सामने आ रही हैं।

नादुआर के एक पोलिंग ...

सुबह करीब 7:30 बजे सेकेंड पोलिंग ऑफिसर देवेन हारो अचानक बीमार पड़ गए। उन्हें तुरंत पास के हॉस्पिटल रेफर किया गया। बदकिस्मती से, रंगापारा के सहायक शिक्षक देवेन हारो ने हॉस्पिटल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस इस संबंध में आश्यक कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है। मौत की असली वजह का पता नहीं चल सका है। आशंका जताई गई है कि हार्ट अटैक की वजह से पोलिंग आफिसर की मौत हुई होगी।

गौरीपुर में वोट...

के एक अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने बाबर अली को मृत घोषित कर दिया। माना जा रहा है कि उनकी मौत हार्ट अटैक से हुई होगी। हालांकि, बाबर अली की मौत का कारण आधिकारिक तौर पर घोषित नहीं किया गया है।

असम भाजपा ने राज्य की जनता का अभूतपूर्व लोकतांत्रिक जनादेश के लिए जताया आभार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुरुवार की शाम 5 बजे मतदान के औपचारिक समापन के साथ, असम में लोकतंत्र का यह महान पर्व अपने निर्णायक चरण में पहुंच गया है। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस ऐतिहासिक चुनावी प्रक्रिया में अपनी असाधारण भागीदारी के लिए असम की जनता के प्रति अपना गहरा आभार और हार्दिक सराहना व्यक्त करती है। असम में 84.42 प्रतिशत की प्रभावशाली मतदाता भागीदारी, जिसमें 2.50 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने अपने पवित्र मताधिकार का प्रयोग किया, लोकतांत्रिक आदर्शों में जनता के अटूट विश्वास और असम के भविष्य को संवारने के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता का एक जोरदार प्रमाण है। प्रदेश भाजपा की ओर से जारी एक बयान में बताया गया है कि हम विशेष रूप से युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं की सराहना करते हैं, जिनकी उत्साही और सचेत भागीदारी एक राजनीतिक रूप से जागरूक, जिम्मेदार और प्रगतिशील पीढ़ी के उदय

को दर्शाती है। उनकी बढ़ती भागीदारी सहभागी लोकतंत्र के एक नए युग का सूत्रपात करती है, जो हमारे राष्ट्र की नींव को और अधिक सुदृढ़ बनाती है। इस विशाल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए कुल 31,890 मतदान केंद्रों को अत्यंत सावधानीपूर्वक तैयार किया गया था, जिससे मतदाताओं को 722 उम्मीदवारों का भविष्य तय करने का अवसर मिला। इनमें से 211 उम्मीदवार राष्ट्रीय दलों का प्रतिनिधित्व किया है, 116 क्षेत्रीय दलों से हैं, 137 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों से हैं, और 258 उम्मीदवार निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। विशेष रूप से, 60 महिला उम्मीदवारों ने आगे बढ़कर भागीदारी की है, जो लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर बढ़ती समावेशिता और महिला सशक्तिकरण को दर्शाता है। प्रदेश भाजपा चुनाव आयोग, मतदान अधिकारियों, सुरक्षा कर्मियों और इस चुनाव को शांतिपूर्ण, पारदर्शी और कुशल तरीके से संपन्न कराने में शामिल प्रत्येक व्यक्ति के प्रति अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करती है। यह भारी भागीदारी एक स्पष्ट और शक्तिशाली संदेश देती है। असम की जनता दृढ़, सतर्क और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के साथ-साथ राज्य को प्रगति, स्थिरता और विकास की ओर ले जाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। जैसे-जैसे भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) लगातार तीसरी बार जनादेश प्राप्त करने की ओर अग्रसर है, यह ऐतिहासिक मतदान सुशासन और निर्णायक नेतृत्व में जनता के विश्वास का एक प्रकाशस्तंभ बनकर खड़ा है। प्रदेश भाजपा इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया को एक भव्य सफलता बनाने के लिए असम की जनता के समक्ष एक बार पुन: कृतज्ञतापूर्वक नतमस्तक होती है। प्रदेश भाजपा की ओर से, मीडिया पैनलिस्ट अमल नारायण पटवारी ने चुनाव सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है। उन्होंने असम में एक ही चरण में हुए चुनावों को सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में चुनाव आयोग के अनुकरणीय समन्वय, पारदर्शिता और अथक समर्पण की सराहना की है। लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने, लोगों की सूचित भागीदारी को सुगम बनाने और चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता को अक्षुण्ण रखने के प्रति उनका अडिग समर्पण संस्थागत उत्कृष्टता का एक उल्लेखनीय प्रमाण है। असम की जनता इस सामूहिक प्रयास की तहे दिल से सराहना करती है, जिसने हमारे जीवंत लोकतंत्र की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया है।

एपीसीसी अध्यक्ष गौरव गोगोई ने असमवासियों का जताया आभार

गुवाहाटी (हि.स.)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष और जोरहाट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार गौरव गोगोई ने कहा है कि समय के बदलाव की चाह रखने वाले लोगों ने अभूतपूर्व तरीके से बढ़-चढ़कर मतदान में भाग लेने वाले असमवासियों का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है। गुरुवार की शाम 5 बजे मतदान के समापन के बाद एक बयान में गौरव गोगोई ने कहा कि असमवासियों ने नए महान असम और नई नेतृत्व की आशा में आज वोट दिया। अब चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि वह ईवीएम मशीनों को सुरक्षित रखते हुए 4 मई को सही तरीके से मतगणना की व्यवस्था करे। गौरव गोगोई ने इसके साथ ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा सांसद राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, असम के पार्टी पर्यवेक्षक जितेंद्र सिंह सहित असम की जिम्मेदारी संभाल रहे चुनावी पर्यवेक्षकों का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने मित्र दल राइजर के अध्यक्ष अखिल गोगोई, असम जातीय परिषद के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई, सीपीआई (एम) के राज्य सचिव सुप्रकाश तालुकदार, सीपीआई (एमएल) के राज्य सचिव विवेक दास और एपीएचएलसी के अध्यक्ष जॉन इंगती कठार को धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी के प्रत्येक नेता-कर्मी और उम्मीदवारों को भी शुभकामनाएं और धन्यवाद दिया।

असम के लोग विकास का समर्थन एवं अवैध प्रवासन के विरूद्ध : पीयूष हजारिका

मोरीगांव (हि.स.)। असम सरकार के मंत्री एवं जागीरोड विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार पीयूष हजारिका ने गुरुवार को जोर देकर कहा कि असम के लोग विकास का समर्थन करते हैं और अवैध प्रवासन के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। मतदान करने पहुंचे पीयूष हजारिका ने मीडिया से बातचीत में कहा कि असमिया मुसलमानों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और उन्हें अवैध प्रवासियों से अलग बताया। उन्होंने कहा कि हम असमिया मुसलमानों के समर्थन में हैं। जो लोग बांग्लादेश से अवैध रूप से आए हैं, हम उनके खिलाफ हैं और मतदाताओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि मैं असम के लोगों से अनुरोध करना चाहूंगा कि वे आगे आएं और विकास के लिए वोट दें। हजारिका ने दावा किया कि राज्य में जनता की भावना अवैध प्रवासन के सख्त खिलाफ है और इसका असर कांग्रेस पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि असम के लोग बांग्लादेशियों, घुसपैठियों और अवैध प्रवासियों के खिलाफ हैं, यही कारण है कि कांग्रेस को वोट नहीं मिलेंगे। विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए भाजपा नेता ने कांग्रेस पर गलत तरीकों से मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को प्रभावित करने के लिए पैसे और शराब बांटना कांग्रेस की पुरानी आदत है। उन्होंने आने वाले दिनों में कांग्रेस पार्टी से और भी लोगों के पार्टी छोड़ने की भविष्यवाणी भी की। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को निशाना बनाते हुए हजारिका ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के परिवार के खिलाफ लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद बताकर खारिज कर दिया। हजारिका ने कहा कि पवन खेड़ा एक बेकार आदमी है। उसके दावे झूठे निकले। उसमें वर्तनी की गलतियां थीं, एक जगह *शर्मा* लिखा था और दूसरी जगह शर्मा। जब हमने उससे सवाल किया, तो वह असम छोड़कर भाग गया। अगर उसके आरोप सच होते, तो उसे असम में ही रुकना चाहिए था। भाजपा के विकास के एजेंडे पर जोर देते हुए उन्होंने टिप्पणी की कि असम में विकास का मतलब है हिमंत विश्व शर्मा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, और राज्य की प्रगति का श्रेय उनके नेतृत्व को दिया। 126 सदस्यों वाली असम विधानसभा के लिए गुरुवार की सुबह 7 बजे से मतदान जारी है जो शाम 5 बजे तक चलेगा। अधिकारी मतदाताओं से शांति बनाए रखने और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का जिम्मेदारी से प्रयोग करने का आग्रह कर रहे हैं। वोटों की गिनती 4 मई को होनी है।

बारिश के बीच असम में उम्मीदवारों ने उत्साहपूर्वक किया मतदान

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को राज्यभर में मतदान के दौरान उम्मीदवारों और प्रमुख व्यक्तियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कई क्षेत्रों में बारिश के बावजूद मतदाताओं और नेताओं में लोकतांत्रिक उत्साह साफ दिखाई दिया। गोरेश्वर के 5 नंबर सुवागपुर प्राथमिक विद्यालय में असम विधानसभा के अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी ने अपने परिवार के साथ मतदान किया। वहीं, गुवाहाटी में मध्य गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी विजय गुप्ता ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वरिष्ठ नेता एवं मंत्री अशोक सिंघल और नीलम देवी ने भी दिन की शुरुआत में ही मतदान किया। आउनीआटी में सत्राधिकार डॉ. श्री श्री पितांबर देव गोस्वामी ने बारिश के बावजूद मतदान प्रक्रिया में भाग लेकर लोकतंत्र के महत्व को रेखांकित किया। राज्य के कई हिस्सों में मतदाता बारिश के बीच लंबी कतारों में खड़े होकर मतदान करते नजर आए, जिससे जनसामान्य में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। नवगठित 79 नंबर सिसिबरगांव विधानसभा क्षेत्र में भाजपा सांसद प्रदान बरुवा ने भी अपने मताधिकार का उपयोग किया।

मतदान करने जा रहे मां-बेटे की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

कोकराझाड़। असम विधानसभा चुनाव के लिए मतदान करने जा रहे एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। कोकराझाड़ जिले के सेरफांगगुरी थाना अंतर्गत कलबाड़ी में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए एक भीषण सड़क हादसे में मां और बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना उस समय हुई जब दोनों मतदान केंद्र की ओर जा रहे थे। तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान मृतकों की पहचान फुलमनी टुडू (माता) और विनोद टुडू (पुत्र) के रूप में हुई है। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। सूचना मिलते ही सेरफांगगुरी पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था और वाहनों की अनियंत्रित गति को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है।

राज्य के कई जिलों में शांतिपूर्ण रहा मतदान

विभास ब्यूरो (कोकराझाड़, बंगाईगांव, धुबड़ी, होजाई)। असम में हुए विधानसभा का चुनाव आज शांतिपूर्ण रहा। छिटपुट घटना को छोड़ दे तो पूरे असम के लोग उत्साह के साथ अपना मताधिकार प्रयोग किया। कई जिले की खबर ईस प्रकार है-

कोकराझाड़। कोकराझाड़ जिले के पांच विधानसभा केंद्र मे मतदान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बिच शांतिपूर्ण रहा। कोकराझाड़ जिले के दोतामा, गोसाईगांव, बउखूंगारी, परबतझोरा ओर कोकराझाड़ विधानसभा केंद्र मे सुबह से ही मतदाताओ की वोट देने के लिये भारी संख्या मे लोगो का जमाव देखा गया वही 3 00 बजे तक कोकराझाड़ जिले मे 72.24 प्रतिशत मतदान हुवा है। असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आज कोकराझाड़ में उत्साहपूर्ण मतदान देखने को मिला। इसी क्रम में बीटीसी के पूर्व प्रमुख और बीपीएफ नेता हग्रामा मोहिलारी ने अपनी पत्नी और कोकराझाड़ निर्वाचन क्षेत्र की उम्मीदवार शिउली मोहिलारी के साथ मतदान किया। दोनों ने देवरगांव हाई स्कूल स्थित मतदान केंद्र संख्या 104 पर पहुंचकर अपना वोट डाला। मतदान के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए हग्रामा मोहिलारी आत्मविश्वास से लबरेज नजर आए। मीडिया कर्मियों से बात करते हुए हग्रामा मोहिलारी ने भविष्यवाणी की कि बीटीसी के सभी 15 निर्वाचन क्षेत्रों में एनडीए (एनडीए) की भारी जीत होगी। उन्होंने कहा कि बीटीसी के सभी 15 के 15 निर्वाचन क्षेत्रों में एनडीए की जीत तय है। प्रदेश में एनडीए की सरकार बनना 100 प्रतिशत निश्चित है और हिमंत विश्वा शर्मा ही अगले मुख्यमंत्री होंगे। वहीं, कोकराझाड़ सीट से उम्मीदवार शिउली मोहिलारी ने भी अपनी जीत को लेकर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने दावा किया कि कोकराझाड़ की जनता का उन्हें भरपूर समर्थन मिल रहा है और उनकी जीत सुनिश्चित है। एक कदम आगे बढ़ते हुए शिउली मोहिलारी ने यह भी स्पष्ट किया कि चुनाव जीतने के बाद वह मंत्री पद की मांग करेंगी। उनके इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज कर दी है।

बंगाईगांव। असम विधानसभा चुनाव 2026 के तहत 9 अप्रैल को पूरे राज्य के साथ बंगाईगांव जिले में भी मतदान शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। राज्य की सभी 126 विधानसभा सीटों के लिए एक ही चरण में मतदान कराया गया, जिसमें 18 नंबर बंगाईगांव विधानसभा क्षेत्र भी शामिल रहा। इसके अलावा इस जिले में अन्य दो सीट 16 नंबर अभयपुर तथा 17 नम्बर सृजनग्राम पर भी मतदान शांतिपूर्ण रहा। सुबह निर्धारित समयानुसार मतदान प्रक्रिया प्रारंभ हुई और शाम तक मतदाताओं की लंबी कतारें कुछ मतदान केंद्रों पर देखी गईं। प्रारंभिक घंटों में खराब मौसम के बावजूद मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिला, जो दिन चढ़ने के साथ और अधिक बढ़ता गया। निर्वाचन आयोग के अनुसार, सुबह के शुरुआती घंटों सुबह ग्यारह बजे तक बंगाईगांव में मतदान का प्रतिशत 39.48 था तथा शाम पांच बजे तक 89.89 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि अभयपुर में 90.28 एवं सृजनग्राम में 94.33 प्रतिशत मतदान हुआ। दोपहर बाद ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से मतदान में तेजी आई और बंगाईगांव जिले में 3 बजे तक लगभग 80 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो लोकतंत्र के प्रति जनता की मजबूत भागीदारी को दर्शाता है। इस बार मतदाताओं में उत्साह इतना देखने को मिला कि यहां के वासिंदे जो कि अच्छी संख्या में बंगाईगांव के बाहर रहते हैं वे भी मतदान करने बगाईगांव पहुंचे। इसी कड़ी में ऑस्ट्रेलिया में कार्यरत बंगाईगांव की बेटी गरिमा अग्रवाल ने भी अपना मतदान देकर मताधिकार का उपयोग किया। बंगाईगांव विधानसभा क्षेत्र में इस बार चुनाव काफी रोचक एवं त्रिकोणीय मुकाबले के रूप में देखा गया। प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ-साथ निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ज्ञात हो कि गत चालीस वर्षों से इस सीट पर असम गण परिषद का कब्जा है। इस सीट पर पूर्व से ही क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दलों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलता रहा है। वहीं, इस बार एक पूर्व भाजपा नेता द्वारा निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरने से मुकाबला और दिलचस्प हो गया, जिससे स्थानीय राजनीति में नई हलचल देखने को मिली। सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्था मतदान को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन एवं सुरक्षा बलों द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए थे। संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था तैनात की गई थी। मतदाताओं की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में मतदान केंद्र बनाए गए तथा बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई।

धुबड़ी। धुबड़ी जिले के पांच विधानसभा सीट में मतदान संपन्न हुआ। 6 नंबर गोलकगंज 93.42 प्रतिशत, 7 नंबर गौरीपुर 91.79 प्रतिशत, 8 नंबर द धुबड़ी 89.03 प्रतिशत, 9 नंबर वीर सिंह जरुआ 90.90 प्रतिशत और 10 नंबर बिलासिपाड़ा में 87.16 प्रतिशत मतदान हुआ। आज शाम 5:00 बजे तक तक वोट जबरदस्त तरीके से संपन्न हुआ। सबसे ज्यादा वोट जिले के गोलकगंज विधानसभा सीट पर पड़ा। यहां का वोट प्रतिशत पूरे धुबड़ी जिले में सबसे ज्यादा है। इस बार जिले में रिकॉर्ड तोड़ने वाला वोटिंग हुआ। जिले के पांचो विधानसभा सीटों का सर्वे करने पर पता चला कि गोलकगंज मैं भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अश्विनी राय सरकार जीतने की संभावना पूरी तरह दिखाई दे रही है। वहीं धुबड़ी विधानसभा सीट से एआईयूडीएफ के उम्मीदवार नजरुल इस्लाम, गौरीपुर, बिलासिपारा एवं वीर सिंह जरुआ मैं अनुमान लगाना थोड़ा कठिन-सा दिखाई दे रहा है। अब 4 मई को पता चलेगा कि किसका पालरा सबसे ज्यादा भारी है। कुल मिलाकर आज जिले में वोट शांतिपूर्वक रूप से हुआ। शाम को खबर लिखने तक किसी भी प्रकार का घटना या दुर्घटना की खबर नहीं है।

होजाई। पूरे असम के साथ-साथ होजाई जिले में आज हुए असम विधानसभा चुनाव के मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। बारिश के बावजूद, लोकतंत्र के इस महापर्व के लिए मतदाताओं में काफी उत्साह देखा गया। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र होजाई, लामडिंग और बिन्नाकांदी के 984 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से ही मतदाता अपने वोट डालने के लिए लंबी-लंबी कतारों में खड़े दिखाई दिए। हालांकि, मतदान समाप्त होने के निर्धारित समय के बाद भी विभिन्न मतदान केंद्रों पर बड़ी संख्या में मतदाता कतारों में खड़े देखे गए, जो विधानसभा चुनाव में मतदाताओं की अच्छी भागीदारी को दर्शाता है। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 5 बजे तक जारी रहा। शाम 5 बजे तक पूरे होजाई जिले के कुल 764619 मतदाताओं हैं। जिसमें से तीन विधानसभा क्षेत्र - 62 नंबर बिन्नाकांदी 87..06 प्रतिशत, 63 नंबर होजाई 87.53 प्रतिशत और 64 नंबर लामडिंग 86.80 प्रतिशत प्रतिशत मतदान रहे। गौरतलब है, होजाई के 2, लामडिंग के 4 और बिन्नाकांदी के 12 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया है। अब मई 4 को मतगणना के पश्चात यह जग जाहिर होगा की मतदाताओं ने अपना प्रतिनिधि किसको चुना है।

भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने किया मतदान, लोगों से की मतदान की अपील

गुवाहाटी (हि.स.)। असम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने गुरुवार को बरक्षेत्री विधानसभा क्षेत्र के अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर मतदान किया। उन्होंने कहा कि उनका वोट स्वस्थ लोकतंत्र, असम की सुरक्षा और राज्य के समग्र विकास के लिए है।

बूथ संख्या 271 पर मतदान करने के बाद दिलीप सैकिया ने राज्यभर के मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी की सराहना की। उन्होंने उन मतदाताओं से भी विनम्र अपील की, जिन्होंने अब तक मतदान नहीं किया है, कि वे शीघ्र ही शाम 5 बजे से पहले अपने मताधिकार का प्रयोग करें। अपने संदेश में सैकिया ने सांस्कृतिक भावनाओं को व्यक्त करते हुए लोगों से लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखते हुए असम के विकास की यात्रा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

यूपीपीएल अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो ने किया मतदान

तामुलपुर (हि.स.)। यूनाइटेड पीपल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद प्रमोद बोड़ो ने गुरुवार को असम विधानसभा चुनावों के दौरान, पोलिंग सेंटर नंबर 105 (2 नंबर सौरागुरी

एलपी स्कूल) में मतदान किया। मतदान के बाद बोड़ो ने नागरिकों से जिम्मेदारी से चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की रक्षा करने की अपील की। मीडिया से बात करते हुए, बोड़ो ने 43 नंबर तामुलपुर विधानसभा क्षेत्र के तहत पानबारी गांव में चुनाव से जुड़ी कथित हिंसा की हालिया घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े कुछ बदमाशों ने एके-47 से बीती रात को गोलियां चलाईं, जिससे यूपीपीएल के तीन कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह घटना देर रात तब हुई जब भाजपा उम्मीदवार विश्वजीत दैमारी से जुड़े एक वाहन में सवार लोगों के साथ कहासुनी हो गई। घायल यूपीपीएल कार्यकर्ताओं - धरणीधर बोड़ो, राजू बोड़ो और दिनेश बोड़ो को पहले प्राथमिक चिकित्सा दी गई, जिसके बाद उन्हें गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बोड़ो ने इस घटना की पूरी जांच की मांग की। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे सुरक्षा बढ़ाएं, ताकि मतदाता बिना किसी डर के अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल कर सकें। इससे पहले, बोड़ो ने स्थिति का जायजा लेने के लिए घटना स्थल का दौरा भी किया था और घायल कार्यकर्ताओं तथा उनके परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त की थी। इस कथित हमले से तामुलपुर में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है, जिसके बाद दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है। पूरे जिले में कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान जारी है और चुनाव अधिकारी मतदाताओं से शांति बनाए रखने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने की अपील कर रहे हैं। अधिकारियों ने अभी तक इस घटना के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

एआईयूडीएफ प्रमुख अजमल ने किया मतदान

होजाई। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के सुप्रीमो एवं होजाई जिले के बिनाकांडी विधानसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने आज डंकी गांव स्थित एम.ई स्कूल में मतदान किया। मतदान के बाद

स्थानीय संवाददाताओं से बातचीत में अजमल ने एआईयूडीएफ की असम में 29 सीटों में से 25 पर जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि असम की जनता विकास के लिए शिक्षा के लिए उन्नत साइंस व टेक्नोलॉजी के लिए रोजगार के लिए एआईयूडीएफ को लेकर आए। उन्होंने आगे कांग्रेस व उसके साथ गठबंधन की सभी पार्टियों की आलोचना की और कहा कि यह गठबंधन इस चुनाव में सफल नहीं हो पाएगा और बुरी तरह हारेगा। उन्होंने आगे कहा कि तीनों गोगोई भाई किसी भी सूरत में नहीं जीतेंगे। उल्लेखयोग्य है कि एआईयूडीएफ इस बार 126 विधानसभा सीटों में से 29 विधानसभा सीटों से अपने उम्मीदवारों को चुनाव लड़ाई है। वही, 2021 के विधानसभा चुनाव में एआईयूडीएफ ने 126 विधानसभा सीटों में से 16 पर अपनी जीत दर्ज कराई थी।

विश्वनाथ में प्रत्याशी का भाग्य ईवीएम मशीन में कैद

पाभोई। विश्वनाथ निर्वाचन क्षेत्र जिले के हर पोलिंग सेंटर पर लोग बड़े जोश के साथ अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करने के लिए आगे आए हैं। लोकतंत्र के इस पवित्र त्योहार को युवा और बूढ़े सभी ने उत्साह के साथ पोलिंग सेंटरों में वोट देने के अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए मनाया है। इस दौरान विधानसभा चुनाव, 2026 विश्वनाथ चुनाव जिला: शाम 5 बजे तक अनुमानित मतदान प्रतिशत 70-विश्वनाथ एलएसी = 83.93 प्रतिशत, 71-बिहाली (एससी) एलएसी = 84.28 प्रतिशत,72-गोहपुर एलएसी = 83.1 प्रतिशत। वहीं विश्वनाथ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार पल्लव लोचन दास ने अपनी पत्नी के साथ विश्वनाथ के पाभई प्राथमिक विद्यालय के मतदान केंद्र संख्या 3 पर अपना वोट डाला। उसी तरह विश्वनाथ विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस उम्मीदवार जयंत बोरा ने विश्वनाथ के खराशिमलु आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मतदान केंद्र संख्या 231 पर अपना वोट डाला।

संपादकीय

युद्ध की आग में झुलसती रसोई

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच होर्मुज जलमार्ग के बंद होने से उपजा संकट अब गहराने लगा है। पेट्रोलियम पदार्थों की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने से भारत समेत कई देशों में ईंधन की उपलब्धता काफी कम हो गई है। इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। देश में सरकार की ओर से भले ही यह दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है, लेकिन हाल में व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडर और विमान ईंधन की कीमतों में की गई बढ़ोतरी से स्पष्ट है कि संकट धीरे-धीरे अपने पांव पसार रहा है।

सरकार देश भर में घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति में देरी को लेकर जिस तरह के हालात बन रहे हैं, उससे लोगों में कई तरह की आशंकाएं पैदा हो गई हैं। इस बीच, पेट्रोलियम उत्पादों की जमाखोरी और कालाबाजारी ने समस्या को और बढ़ा दिया है। इसके मद्देनजर केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही लोगों को घरों में ईंधन के वैकल्पिक उपाय अपनाने और ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करने को भी कहा गया है।

> **पेट्रोलियम पदार्थों की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने से भारत समेत कई देशों में ईंधन की उपलब्धता काफी कम हो गई है। इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। देश में सरकार की ओर से भले ही यह दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है, लेकिन हाल में व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडर और विमान ईंधन की कीमतों में की गई बढ़ोतरी से स्पष्ट है कि संकट धीरे-धीरे अपने पांव पसार रहा है। सरकार देश भर में घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति में देरी को लेकर जिस तरह के हालात बन रहे हैं, उससे लोगों में कई तरह की आशंकाएं पैदा हो गई हैं। इस बीच, पेट्रोलियम उत्पादों की जमाखोरी और कालाबाजारी ने समस्या को और बढ़ा दिया है।**

गौरतलब है कि ईरान तथा इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध शुरू होने के करीब एक माह बाद कई देशों में तेल और गैस का व्यापक संकट खड़ा हो गया है। ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बंद किया है, उसके बाद भारत सहित कई देशों में बड़े पैमाने पर तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हुई है। ईंधन की कमी से उपजा वैश्विक संकट अब जिस स्तर पर बढ़ता जा रहा है, उसका भारत पर भी गहरा असर देखने को मिल रहा है, क्योंकि वह कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति के लिए अन्य देशों पर अधिक निर्भर है।

ऐसे में अगर युद्ध लंबा खिंचा तो आने वाले दिनों में किस तरह की परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकार को ईंधन आपूर्ति के वैकल्पिक उपायों पर अब व्यापक स्तर पर और गंभीरता से विचार करना होगा।

देश में सरकार के समक्ष चुनौती सिर्फ तेल और गैस की कमी की ही नहीं है, बल्कि इसकी जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने की भी है। मौजूदा संकट का दायरा इसलिए भी बढ़ता जा रहा है, क्योंकि आपदा में अवसर तलाशने वालों में मुनाफा कमाने की होड़ लग गई है। जमाखोरी कर रसोई गैस सिलेंडर ऊंचे दामों पर बेचे जा रहे हैं, जिससे जरूरतमंद आम लोगों को कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है।

कुछ अलग

ये आकाशवाणी का लखनऊ केंद्र है...

ये आकाशवाणी का लखनऊ केंद्र है.... यह वाक्य नहीं, एक मुकम्मल विरासत है।

यह केवल एक रेडियो स्टेशन नहीं, बल्कि हमारी यादों, हमारी संस्कृति और हमारी संवेदनाओं की सजीव आवाज है। यहां से केवल शब्द नहीं, संवेदनाएं प्रसारित होती हैं। यहां आवाज नहीं, संस्कार बोलते हैं।

कितनी पीढ़ियां इसकी धुनों के साथ जागीं, इसके समाचारों के साथ देश-दुनिया से जुड़ीं और इसके कार्यक्रमों के साथ भावनाओं से भर उठीं। वह समय, जब रेडियो केवल एक यंत्र नहीं था, बल्कि घर का सदस्य था जिसके पास चेहरा नहीं था, पर अपनापन था। जिसके पास स्पर्श नहीं था, पर संवाद था।

89 वर्षों से यह आवाज केवल सुनाई नहीं देती, बल्कि दिलों में उतरती है, पीढ़ियों में बसती है और समाज को जोड़ती है। गांव की चौपाल हो या शहर का आंगन, एक छोटा-सा रेडियो पूरे समाज को एक सूत्र में बांध देता था। समाचार आते थे तो देश की धड़कन सुनाई देती थी, गीत बजते थे तो जीवन मुस्कुरा उठता था, और जब कोई भावपूर्ण प्रसारण होता था, तो मन स्वतः भीग जाता था।

लगभग 39 फीसद परिवारों के पास शौचालय की सुविधा नहीं है, जिससे खुले में शौच जैसी समस्याएं बनी रहती हैं, जो सीधे तौर पर संक्रमण से जुड़ी हैं।

हाशिये पर स्वास्थ्य, जागरूकता का सवाल; एआई कैसे बनेगा 'स्मार्ट गाइड'?

> **बच्चों में कुपोषण की स्थिति भी गंभीर है, लगभग 43 फीसद बच्चे बौने हैं। यह केवल भोजन की कमी नहीं, बल्कि पोषण संबंधी जागरूकता की कमी को भी दशार्ता है। बिहार के सीमांचल (कटिहार, किशनगंज, पूर्णिया) या झारखंड के गुमला और सिमडेगा जैसे जिलों में एक समान व्यवहार दिखता है, लोग बीमारी को तब तक गंभीर नहीं मानते, जब तक वह असहनीय न हो जाए। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के सोनभद्र, चित्रकूट, बांदा, अलीराजपुर और मंडला जैसे जिलों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की स्थिति भी आज चिंता का विषय है।**

हाल के वर्षों में भारत ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन जब हम पिछड़े जिलों में स्वास्थ्य से जुड़ी जागरूकता पर नजर डालते हैं, तो एक अलग ही सच्चाई सामने आती है। अस्पतालों की कमी के साथ स्वास्थ्य संबंधी सामाजिक जागरूकता की कमी, संसाधनों की असमानता और नीतियों के जमीनी क्रियान्वयन की विफलता साफ दिखती है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़े बताते हैं कि भारत में स्वास्थ्य और पोषण से जुड़े मुद्दे केवल चिकित्सा सुविधाओं की कमी से नहीं, बल्कि जागरूकता के अभाव से भी गहराई से जुड़े हैं।

यह सर्वेक्षण देश के सात सौ से अधिक जिलों के आंकड़े उपलब्ध कराता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि स्वास्थ्य को लेकर असमानता केवल राज्यों के बीच ही नहीं, बल्कि जिलों के भीतर भी मौजूद है। यदि हम बिहार जैसे राज्य को देखें, तो स्थिति बेहद चिंताजनक है। यहां लगभग 84 फीसद आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, जहां स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच सीमित है। लगभग 39 फीसद परिवारों के पास शौचालय की सुविधा नहीं है, जिससे खुले में शौच जैसी समस्याएं बनी रहती हैं, जो सीधे तौर पर संक्रमण से जुड़ी हैं।

यही नहीं, बच्चों में कुपोषण की स्थिति भी गंभीर है, लगभग 43 फीसद बच्चे बौने हैं। यह केवल भोजन की कमी नहीं, बल्कि पोषण संबंधी जागरूकता की कमी को भी दशार्ता है। बिहार के सीमांचल (कटिहार, किशनगंज, पूर्णिया) या झारखंड के गुमला और सिमडेगा जैसे जिलों में एक समान व्यवहार दिखता है, लोग बीमारी को तब तक गंभीर नहीं मानते, जब तक वह असहनीय न हो जाए। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के सोनभद्र, चित्रकूट, बांदा, अलीराजपुर और मंडला जैसे जिलों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की स्थिति भी आज चिंता का विषय है।

राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार, कई महिलाओं को

प्रसव पूर्व देखभाल नहीं मिल पाती। बिहार में लगभग अठारह फीसद महिलाओं ने गर्भावस्था के दौरान कोई चिकित्सा देखभाल नहीं ली। राजस्थान की तस्वीर और ज्यादा जटिल है। टीकाकरण में सुधार हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। तीस वर्ष से अधिक आयु के लगभग बीस फीसद लोग मधुमेह या उच्च रक्तचाप से ग्रस्त हैं, लेकिन उनमें से बहुत कम लोग नियमित उपचार कराते हैं।

झारखंड और मध्य प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में पारंपरिक मान्यताओं तथा आधुनिक चिकित्सा के बीच दूरी अब भी बनी हुई है। कई बार लोग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं पहुंचते और स्थानीय उपचारों पर निर्भर रहते हैं, जिससे तपेदिक, मलेरिया और खून की कमी जैसी बीमारियां लंबे समय तक छिपी रहती हैं। देश में यह संकट दोतरफा रूप में सामने आता है- एक ओर कुपोषण, दूसरी ओर नई जीवनशैली से होने वाली बीमारियां। यदि वैश्विक तुलना करें, तो जापान, फिनलैंड और आस्ट्रेलिया जैसे देशों में लोग नियमित जांच, संतुलित आहार और निवारक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देते हैं। इसके विपरीत भारत में स्वास्थ्य को अक्सर अंतिम प्राथमिकता दी जाती है।

आज के परिदृश्य में इस संदर्भ में एक नया आयाम जुड़ रहा है, वह है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता। सवाल यह है कि क्या एआइ स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ाने में मदद कर सकता है, खासकर उन ग्रामीण क्षेत्रों में जहां जानकारी की सबसे ज्यादा कमी है? ग्रामीण भारत में एआइ का सबसे बड़ा उपयोग जानकारी पहुंचाने में हो सकता है। आज भी कई गांवों में लोग बीमारी के लक्षणों को सही समय पर नहीं पहचान पाते। यदि मोबाइल आधारित एआइ उपकरण स्थानीय भाषा में सरल तरीके से यह समझाएं कि कब डाक्टर के पास जाना जरूरी है, कौन से लक्षण खतरनाक हैं और कौन-सी सावधानियां अपनानी चाहिए, तो यह एक बड़ा बदलाव ला सकता है।

एआइ का उपयोग आशा कार्यकताओं और आंगनबाड़ी सेविकाओं के प्रशिक्षण में भी किया जा सकता है। यदि उन्हें मोबाइल पर ऐसे एआइ उपकरण मिलें, जो तुरंत जानकारी दें, लक्षणों का प्राथमिक विश्लेषण करें और सही सलाह सुझाएं, तो वे गांव-स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता की सबसे मजबूत कड़ी बन सकती हैं। यह तकनीक डाक्टर की जगह नहीं ले सकती, लेकिन चिकित्सक और ग्रामीण समाज के बीच की दूरी जरूर कम कर सकती है। फिर भी यह याद रखना जरूरी है कि एआइ केवल एक साधन है, समाधान नहीं।

देश में स्वास्थ्य जागरूकता की चुनौती केवल अस्पताल या दवाइयों की नहीं, बल्कि सोच और व्यवहार की भी है। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के पिछड़े जिलों की स्थिति हमें यह सिखाती है कि स्वास्थ्य सुधार के लिए जागरूक समाज सबसे जरूरी है। आज भी देश के करोड़ों घरों में दवाइयों की पहचान उनके नाम से नहीं, बल्कि रंग और आकार से होती है। यह सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता की गहरी कमी का संकेत है। जब दवा का नाम, उसका उपयोग और उसका असर हमें पता ही नहीं, तो इलाज कैसे सही होगा? देश के ग्रामीण इलाकों में यह आम बात है कि लोग डाक्टर की सलाह के बजाय पुराने पर्चे या दूसरों के अनुभव के आधार पर दवा ले लेते हैं। कई बार एक ही दवा अलग-अलग बीमारी में खा ली जाती है, क्योंकि उसकी पहचान केवल रंग या आकार से जुड़ी होती है।

देश दुनीया से

पश्चिम एशिया युद्ध का असर अब दुनिया के कई देशों पर

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि पश्चिम एशिया में युद्ध ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच हो रहा है, लेकिन उसकी मार वैसे देशों को भी झेलनी पड़ रही है, जो किसी भी रूप में जंग में शामिल नहीं हैं। कई देशों में अब हालत यह है कि वहां तेल और गैस की कमी की वजह से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होने लगा है।

भारत भी उन देशों में से एक है, जहां कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित होने के कारण आम लोगों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर जब से ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, तब से कई देशों में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति पर व्यापक असर पड़ा है। भारत में रसोई गैस सिलेंडर की उपलब्धता भी काफी प्रभावित हुई है। यह स्थिति मुख्य रूप से होर्मुज जलमार्ग को रोके जाने के कारण सामने आई है और इसमें तभी राहत मिल सकती है, जब ईरान इस मार्ग को फिर से खोले।

वैश्विक स्तर पर यह चिंता गहरा रही है कि अगर होर्मुज जलमार्ग को इसी तरह बाधित करके रखा गया, तो आने वाले दिनों में स्थितियां और बिगड़ सकती हैं। शायद यही वजह है कि पश्चिम एशिया के इस संकट का हल निकालने की कोशिश के तहत ब्रिटेन की पहल पर साठ से ज्यादा देशों की बैठक हुई, जिसमें होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने और फंसे हुए जहाजों तथा चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई।

इसके तहत अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में बिना बाधा के जहाजों की आवाजाही की अहमियत को रेखांकित किया गया, क्योंकि आज के दौर में समूची दुनिया में तेल और रसोई गैस लोगों के जीवन के सबसे अहम आधार बन चुके हैं। वहीं होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने के बाद से ही जिस तरह का ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है, उसका भारत पर भी सीधा असर पड़ा है। जाहिर है, अन्य

> **वैश्विक स्तर पर यह चिंता गहरा रही है कि अगर होर्मुज जलमार्ग को इसी तरह बाधित करके रखा गया, तो आने वाले दिनों में स्थितियां और बिगड़ सकती हैं। शायद यही वजह है कि पश्चिम एशिया के इस संकट का हल निकालने की कोशिश के तहत ब्रिटेन की पहल पर साठ से ज्यादा देशों की बैठक हुई, जिसमें होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने और फंसे हुए जहाजों तथा चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई।**

कई देशों की तरह भारत भी इस प्रयास में है कि जितना जल्दी हो, इस संकट का हल निकले और होर्मुज जलमार्ग को खोला जाए। बैठक में भारत ने साफ शब्दों में कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए तनाव कम करने और सभी पक्षों के बीच संवाद के रास्ते पर लौटने की जरूरत है। यों भी, आज के दौर में कोई भी युद्ध सिर्फ उन देशों को प्रभावित नहीं करता, जिनके बीच वह लड़ा जा रहा होता है। अब यह वैश्विक चिंता का सवाल बन चुका है कि इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद ईरान ने रणनीतिक मोर्चे पर जो रुख अख्तियार किया है, उसका खमियाजा अब दुनिया के कई देशों को भुगतना पड़ रहा है।

संभव है कि अमेरिका और इजराइल को जवाब देने के लिए ईरान ने हमलों के अन्य मोर्चों के साथ-साथ होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया हो, लेकिन जो देश इस युद्ध में किसी भी पक्ष में नहीं हैं, अगर उन्हें इसकी मार झेलनी पड़ रही है और आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर विपरीत असर पड़ रहा है, तो इसे कैसे देखा जाएगा। विडंबना यह है कि ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच जारी युद्ध में संवाद को लेकर फिलहाल किसी भी पक्ष में कोई उत्साह नहीं दिख रहा है।

मगर कूटनीतिक तकाजे के साथ-साथ मानवीय पहलू से भी देखें, तो होर्मुज जलमार्ग को तत्काल खोलने की जरूरत है, अन्यथा वैश्विक पैमाने पर जिस तरह का ऊर्जा संकट खड़ा होगा, उसकी भरपाई लंबे समय तक नहीं की जा सकेगी।

ईरान के खिलाफ इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद दुनिया भर में इस बात को लेकर चिंता जताई जा रही है कि अगर युद्ध और लंबा खिंचा तो इसके असर से बहुत सारे देशों में बहुस्तरीय संकट पैदा होंगे। युद्ध शुरू होने के करीब एक महीने के बाद यह साफ देखा जा सकता है कि कई देशों में तेल और गैस का व्यापक संकट खड़ा हो गया है और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। युद्ध में शामिल देशों के शीर्ष नेतृत्व से यह उम्मीद की जाती है कि वे संयम और धीरज के साथ घटनाओं और परिस्थितियों पर परिपक्व टिप्पणी करें, ताकि तनाव को कम करने में मदद मिले और युद्ध को खत्म करने का कोई रास्ता निकले।

आप का नजरीया

सिर्फ खिलाड़ियों की चूक या तंत्र की लापरवाही?

इसमें कोई दोराय नहीं कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पधाओं में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने दमखम के बूते देश की प्रतिष्ठा को नया मुकाम दिया है। ऐसे कई खेल हैं, जिनमें अब तक सिर्फ अमेरिका, रूस, चीन आदि विकसित देशों की तूती बोलती रही है, लेकिन पिछले कुछ समय से भारत के खिलाड़ियों ने अपनी धमक से वर्चस्व की स्थिरता को तोड़ा है और अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज की है।

विडंबना यह है कि क्रमशः मजबूत होती मौजूदगी के बरक्स ऐसे मामले भी तेजी से बढ़ते पाए जाने लगे हैं, जिनमें हमारे खिलाड़ियों ने किसी ऐसी दवा या मादक पदार्थ का सेवन किया, जो डोपिंग से संबंधित नियमों के खिलाफ है। यही वजह है कि डोपिंग मामलों की जांच करने वाली संस्थाओं की नजर में भारत के खिलाड़ी अब विशेष रूप से निगरानी के दायरे में हैं। गौरतलब है कि डोपिंग नियमों के उल्लंघन की वजह से निलंबित किए गए खिलाड़ियों की सूची में भारत अब कीनिया को पीछे छोड़ कर शीर्ष पर पहुंच गया है। भारत के ट्रैक एंड फील्ड के एक सौ अड़तालीस एथलीट और उनके सहयोगी कर्मचारी डोपिंग मामलों की वजह से निलंबित हैं। सवाल है कि राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिस्पधाओं का आयोजन कराने वाला समूचा तंत्र और खेल प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों के कामकाज की वह कौन-सी शैली है कि डोपिंग नियमों का उल्लंघन करने वाले खिलाड़ियों के निलंबन के मामले में देश सबसे ऊपर पहुंच गया। करीब चार महीने पहले भी निगरानी संस्था वैश्विक डोपिंग-रोधी एजंसी ने अपने आकलन में वर्ष 2024 के आंकड़ों में भारत को लगातार तीसरे साल डोपिंग के मामलों में सबसे ऊपर पाया था।

> **डोपिंग नियमों के उल्लंघन की वजह से निलंबित किए गए खिलाड़ियों की सूची में भारत अब कीनिया को पीछे छोड़ कर शीर्ष पर पहुंच गया है। भारत के ट्रैक एंड फील्ड के एक सौ अड़तालीस एथलीट और उनके सहयोगी कर्मचारी डोपिंग मामलों की वजह से निलंबित हैं। सवाल है कि राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिस्पधाओं का आयोजन कराने वाला समूचा तंत्र और खेल प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों के कामकाज की वह कौन-सी शैली है कि डोपिंग नियमों का उल्लंघन करने वाले खिलाड़ियों के निलंबन के मामले में देश सबसे ऊपर पहुंच गया। करीब चार महीने पहले भी निगरानी संस्था वैश्विक डोपिंग-रोधी एजंसी ने अपने आकलन में वर्ष 2024 के आंकड़ों में भारत को लगातार तीसरे साल डोपिंग के मामलों में सबसे ऊपर पाया था। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तमगा और उसके बाद नगद इनाम हासिल करने या फिर भविष्य में अपनी जगह सुनिश्चित करने की मंशा से कुछ खिलाड़ी प्रतिबंधित प्रदर्शन-वर्धक दवाएं लेने की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।**

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तमगा और उसके बाद नगद इनाम हासिल करने या फिर भविष्य में अपनी जगह सुनिश्चित करने की मंशा से कुछ खिलाड़ी प्रतिबंधित प्रदर्शन-वर्धक दवाएं लेने की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। मगर इससे उनकी सेहत और करिअर पर कितना और क्या विपरीत असर पड़ता है, इसके बारे में उन्हें शिक्षित और जागरूक किए जाने की जरूरत है। हैरानी की बात यह है कि बीते कई वर्षों से यह समस्या कायम रहने के बावजूद इसमें सुधार के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, जिससे डोपिंग के नियमों के उल्लंघन पर काबू पाया जा सके।

दृष्टि कोण

हम सच से नहीं उसके बाद आने वाली आजादी से डरते हैं

मनुष्य के जीवन में एक अजीब-सी विडंबना है। वह बार-बार कहता है कि उसे सच जानना है, वह स्पष्टता चाहता है, वह जीवन को सही रूप में समझना चाहता है। लेकिन जब सच उसके सामने आता है, तो वह उससे बचने लगता है। वह आंखें मूंद लेता है, विषय बदल देता है, या खुद को किसी और व्यस्तता में उलझा लेता है। सवाल यह है कि हम सच से क्यों भागते हैं? ध्यान से देखें तो हम सच से नहीं डरते। हम उस आजादी से डरते हैं जो सच हमें देने वाला होता है। सच हमेशा मुक्त करता है। वह आपको दिखाता है कि आप किस भ्रम में जी रहे हैं, किन झूठी धारणाओं को पकड़े हुए हैं, और किन संबंधों, भूमिकाओं या परिस्थितियों में केवल आदत के कारण बने हुए हैं। लेकिन जैसे ही यह स्पष्टता आती है, जीवन आपसे एक निर्णय मांगता है। और यहीं डर शुरू होता है। किसी को भीतर से पता होता है कि वह अपने काम में खुश नहीं है, लेकिन वह उसे छोड़ने का साहस नहीं जुटा पाता। किसी को यह स्पष्ट दिखता है कि एक रिश्ता अब केवल नाम का रह गया है, पर वह उसे निभाता रहता है। कोई जानता है कि वह अपनी असली क्षमता से कम जीवन जी रहा है, फिर भी वह उसी ढर्रे पर चलता रहता है। कारण यह नहीं कि उसे सच दिखाई नहीं देता। कारण यह है कि वह उस सच के बाद आने वाली

आजादी को संभालने के लिए तैयार नहीं है। आजादी का अर्थ केवल विकल्पों का खुलना नहीं होता। आजादी का अर्थ जिम्मेदारी भी है। जब आप सच देख लेते हैं, तब आप खुद को बहाना नहीं दे सकते। तब आपको अपने जीवन की दिशा खुद तय करनी होती है। और यही वह जगह है जहां अधिकतर लोग पीछे हट जाते हैं। झूठ में एक अजीब-सा आराम होता है। वह आपको एक निश्चित ढांचा देता है, भले ही वह असली न हो। उसमें आप बिना ज्यादा सोचे जी सकते हैं। लेकिन सच उस ढांचे को तोड़ देता है। वह आपको अस्थिर करता है, आपको प्रश्नों के बीच खड़ा कर देता है। और उस अस्थिरता को सहना हर किसी के बस की बात नहीं होती। पर यही अस्थिरता असली जीवन की शुरूआत भी है। जब आप सच को स्वीकार करते हैं, तो शुरूआत में सब कुछ बिखरता हुआ लगता है। पर धीरे-धीरे एक नई स्पष्टता जन्म लेती है। आप दूसरों की अपेक्षाओं से मुक्त होने लगते हैं। आप अपनी असली इच्छाओं को पहचानने लगते हैं। और सबसे जरूरी यह कि आप खुद के साथ ईमानदार होने लगते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से भी यही बात लागू होती है। जब मनुष्य यह देखता है कि वह केवल शरीर और भूमिका नहीं है, बल्कि चेतना है, तब एक गहरी स्वतंत्रता का अनुभव होता है। लेकिन इस स्वतंत्रता के साथ एक अकेलापन भी आता है। क्योंकि तब वह भीड़ का हिस्सा नहीं रह जाता। वह अपनी राह पर चलने लगता है। सच हमें कमजोर नहीं बनाता। वह हमें निर्भरता से मुक्त करता है। वह हमें यह शक्ति देता है कि हम अपने जीवन को अपने ढंग से जी सकें। लेकिन इस शक्ति को धारण करने के लिए साहस चाहिए। शायद इसीलिए हम सच से नहीं, उसकी रोशनी से डरते हैं।

नवकार महामंत्र जैन धर्म की आध्यात्मिक परम्परा का प्रतीक : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। विश्व नवकार महामंत्र दिवस के अवसर पर गुरूवार को जन भवन के गांधी सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि नवकार महामंत्र आध्यात्मिक जागृति, अहिंसा और आस्था का मूल आधार है। यह महामंत्र जैन धर्म की महान आध्यात्मिक परम्परा का प्रतीक है, जो मानव जीवन में शांति, संयम, करूणा एवं सदभाव का संदेश देता है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जहाँ हम सम्पूर्ण मानवता व सबके कल्याण की कामना करते हैं।

अपने यहां कोई भी आयोजन होता है तो सम्पूर्ण विश्व का कल्याण हो। यह उदघोष किया जाता है। जैन, बुद्ध व सिख परम्परा के लोग हों सबने सबके कल्याण की कामना की है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब पूरे विश्व में तनाव व युद्ध का महौल है, उस समय भारत की एक ऐसी धरती है, जहां शांति के लिए आयोजन होता है। उन्होंने कहा कि हम सब एकजुट होकर आगे बढ़ें तो निश्चित रूप से लक्ष्य प्राप्त करेंगे। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। विकसित भारत बनाने का लक्ष्य है कि गरीब आदमी भी अमीर बने। जो अभावग्रस्त हैं उनका अभाव दूर हो। आज हम धैर्य व शांतिपूर्वक आगे बढ़ रहे हैं क्योंकि हमारे पास नरेन्द्र मोदी जैसा नेतृत्व है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में रामलला के जन्मस्थान को विदेशी आक्रान्ताओं ने तोड़ दिया था , आज वहां भव्य राम मंदिर बनकर तैयार है। 370 अनुच्छेद को हटाने का काम मोदी सरकार ने किया। हम शांति के पक्षधर हैं लेकिन कायर नहीं हैं। आज देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन की सरकार सबका साथ सबका विश्वास के साथ काम कर रही है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यवाह वीरेन्द्र जायसवाल, प्रान्त प्रचारक कौशल, पूर्व मंत्री डा.महेन्द्र सिंह, प्रदीप जैन, अनीता जैन, संजीव जैन, पवन जैन, अमिता जैन व रिषभ जैन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश के बुनकरों की आय, सम्मान और स्थायित्व सुनिश्चित करना प्राथमिकता : योगी आदित्यनाथ

– देश के हथकरघा निर्यात में उत्तर प्रदेश का लगभग 9.27 प्रतिशत योगदान

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुनकर केवल परंपरा के संवाहक नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सशक्त आधार हैं। ऐसे में उनकी आय, सम्मान और आजीविका की स्थिरता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बुनकरों के सामने कच्चे माल की बढ़ती लागत, डिजाइन और आधुनिक तकनीक का अभाव तथा सीमित बाजार पहुंच जैसी चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल योजनागत सहायता से नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ एवं समन्वित तंत्र विकसित कर ही संभव है। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में परिणामोन्मुख, क्लस्टर-आधारित नई कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी को गुरुवार हथकरघा विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने अवगत कराया कि प्रदेश में लगभग 1.99 लाख बुनकर कार्यरत हैं। उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में देश में छठवें स्थान पर है। कालीन, दरी एवं मैट के उत्पादन में प्रदेश अग्रणी है, जबकि बेडशीट, फर्निशिंग और ब्लैंकेट जैसे उत्पादों में भी राज्य की मजबूत उपस्थिति है। वर्ष 2024-25 में देश का कुल हथकरघा निर्यात 1178.93 करोड़ रहा, जिसमें उत्तर प्रदेश का योगदान 109.40 करोड़ (लगभग 9.27 प्रतिशत) रहा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बुनकर बहुल क्षेत्रों की पहचान कर वहां क्लस्टर विकसित किए जाएं, ताकि उत्पादन, गुणवत्ता और विपणन को एकीकृत किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये क्लस्टर केवल उत्पादन तक सीमित न रहकर पूर्ण वैल्यू चेन के रूप में विकसित हों, जहां डिजाइन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार तक पहुंच एक ही ढांचे में सुनिश्चित हो। बैठक में क्लस्टर चयन, बेसलाइन सर्वे, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने, प्रभावी क्रियान्वयन तथा सतत अनुश्रवण जैसे पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक क्लस्टर में सीमित संख्या में बुनकरों को संगठित कर पंजीकृत इकाइयों के रूप में विकसित किया जाए, जिससे सामूहिक उत्पादन और विपणन को बढ़ावा मिले। साथ ही, इन क्लस्टरों को आधुनिक तकनीक, उन्नत उपकरणों और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जाए, ताकि उत्पादों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार हो। डिजाइन और विपणन को सुदृढ़ बनाने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्पाद की सफलता बाजार की मांग के अनुरूप होने पर ही संभव है। उन्होंने डिजाइनर-कम-मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव तथा डिजाइन हाउस/सोर्सिंग-बाइंग एजेंसी/एक्सपोर्ट हाउस जैसे संस्थागत तंत्र को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए। इससे उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार, बड़े बाजारों तक पहुंच और बुनकरों की आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स और ब्रांडिंग के विस्तार पर विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि बुनकरों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ा जा सके। बैठक में मुख्यमंत्री ने पॉवरलूम बुनकरों के विद्युत बिल में कमी लाने के लिए बेहतर प्रयासों की जरूरत भी बताई। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस संबंध में हतकरघा विभाग और पॉवर कॉर्पोरेशन मिलकर कार्ययोजना तैयार करेंगे।

मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने पर विशेष बल देते हुए कहा कि इससे बुनकरों की विद्युत लागत में कमी आएगी और उन्हें दीर्घकालिक राहत मिलेगी। उन्होंने इस दिशा में प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का बुनकर समुदाय राज्य की समृद्ध परंपरा, रोजगार और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। अतः ऐसी संतुलित, पारदर्शी और व्यावहारिक नीति तैयार की जाए, जिससे बुनकरों को वास्तविक राहत मिले, उद्योग को नई गति मिले और प्रदेश की पारंपरिक बुनकरी को सशक्त आधार प्राप्त हो सके। बैठक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी मंत्री राकेश सचान के अलावा विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

महिला मित्र व उसके बेटे का हत्यारोपित पुलिस मुठभेड़ में घायल

झांसी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में लहचूरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बीते दिनों महिला मित्र और उसके मासूम बेटे की निर्मम हत्या करने वाले हत्यारोपित की बुधवार देर रात पुलिस से मुठभेड़ हो गई। पुलिस कार्रवाई में आरोपित के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। एसपी ग्रामीण डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि लहचूरा थाना क्षेत्र के ग्राम बरौठा में 5 अप्रैल को ग्राम प्रधान रामप्रसाद ने सड़क किनारे एक महिला का शव पड़े होने की सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर फोरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए और जांच शुरू की। जांच के दौरान मृतका की पहचान नीलू देवी निवासी गुड़गांव के रूप में हुई, जो अपने तीन वर्षीय पुत्र कृष्णा के साथ ग्राम बरौटा निवासी चतुर्भुज उर्फ दीपक पटेल से पिछले 6 माह से संपर्क में थी और दोनों के बीच संबंध थे। मृतक महिला नीलू का पति गुजरात में काम करता था। 1 अप्रैल को दीपक उसे गुड़गांव से अपने साथ लेकर बरौटा आया था। 2 अप्रैल की रात दोनों के बीच विवाद हुआ, जब नीलू ने अपने पति के पास वापस जाने की बात कही तो नाराज दीपक ने गुस्से में कुल्हाड़ी से नीलू के सिर पर कई वार कर उसकी हत्या कर दी। शोर सुनकर जागे मासूम कृष्णा को भी आरोपित ने नहीं बख्शा और उसे भी मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद आरोपित ने दोनों शवों को छिपाने का प्रयास किया। 4 अप्रैल की रात वह शवों को बाइक से ले जाकर महिला का चेहरा पत्थर से कुचलकर शव सड़क किनारे फेंक आया, जबकि बच्चे के शव को भूसे के ढेर में छिपा दिया और जब महिला नीलू की लाश बरामद हुई तो साक्ष्य मिटाने के लिए भूसे के ढेर में आग लगाकर बच्चे के शव को जला दिया। एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देश पर गठित टीम ने सर्विलांस के जरिए आरोपित की तलाश शुरू की। देर रात नहर के पास पुलिस और स्वाट टीम का सामना आरोपी से हो गया। खुद को घिरता देख उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जिसमें एक गोली लहचूरा थानाध्यक्ष सरिता मिश्रा की बुलेटप्रूफ जैकेट में जा लगी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसे घायल कर दबोच लिया। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक, तमंचा, कारतूस और 2 मोबाइल फोन बरामद किये गए हैं। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

जिलाधिकारी ने किया जिला पूर्ति कार्यालय का निरीक्षण, कई कर्मचारी नदारद मिले

बरेली, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के जनपद बरेली के जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने गुरुवार को जिला पूर्ति कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले उपस्थिति रजिस्टर की जांच की। कई कर्मचारियों के गैरहाजिर मिलने पर नाराजगी जताई। उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि सरकारी दफ्तरों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपस्थिति की जांच के बाद जिलाधिकारी ने कार्यालय में चल रहे कामकाज का भी जायजा लिया। अधिकारियों से फाइलों की स्थिति, लंबित मामलों और जनता से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण के बारे में जानकारी ली। कुछ मामलों में काम की धीमी गति देखकर उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को फटकार लगाई और निर्देश दिए कि लंबित कार्य जल्द निपटाए जाएं।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय में कई जगह गंदगी और अव्यवस्था देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी दफ्तर जनता की सेवा के लिए हैं और काम में ढिलाई किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि आगे किसी भी अनियमितता या लापरवाही पर जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अखिलेश यादव के करीबी युवा नेता संदीप स्वर्णकार को जहर देने के मामले में मुकदमा दर्ज

वाराणसी, (हि. स.)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में कोतवाली थाना में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के करीबी युवा नेता संदीप सिंह स्वर्णकार की पत्नी खुशबू सिंह द्वारा उनके पति को थैलियम जहर देने संबंधित एक प्रार्थना पत्र दिया गया। खुशबू सिंह के प्रार्थना पत्र पर कोतवाली थाना में मुकदमा पंजीकृत हो गया है।

खुशबू सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा है कि उनके पति संदीप समाजवादी पार्टी के युवा नेता हैं। उनके संबंध अखिलेश यादव जो राष्ट्रीय अध्यक्ष है, उनसे भी है। संदीप काम बिजनेश के कारण बाहर आया जाया करते थे। इस दौरान जो उनके दोस्त उनके साथ रहते थे, उन्हें शक है कि उनके पति को थैलियम जहर देने वाले उनके ही अपने साथी हैं। जो उनके साथ यात्रा में रहा करते थे। हिंदुजा अस्पताल माहिम, मुंबई के डॉक्टरों ने उनके पति संदीप को थैलियम जहर देने की पुष्टि की है। उनकी मांग है कि पुलिस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। कोतवाली थाना के प्रभारी निरीक्षक दयाशंकर सिंह ने बताया कि सपा नेता की पत्नी खुशबू सिंह की तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा 109(1) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। जांच पड़ताल कर अग्रिम कार्रवाई होगी।

विश्वविद्यालय में चलाया गया नशा मुक्ति अभियान

पूर्वी सिंहभूम, (हि.स.)। पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला स्थित सोना देवी विश्वविद्यालय में गुरुवार को नशा मुक्ति को लेकर एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान जिला पुलिस, सिविल डिफेंस और सामाजिक संस्था मेराकी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रभाकर सिंह, मेराकी संस्था की सचिव रीता पात्रो, सिविल डिफेंस के डिप्टी चीफ दया मिश्रा, घाटशिला थाना प्रभारी राजेंद्र मुंडा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और स्वागत संबोधन के साथ हुई। इस दौरान ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें और अपने मित्रों तथा परिवार के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस द्वारा लगातार स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं ताकि युवाओं को सही दिशा दी जा सके। कार्यक्रम में वक्ताओं ने नशे के दुष्परिणामों पर विस्तार से चर्चा की और बताया कि कैसे नशा मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से व्यक्ति को कमजोर कर देता है। साथ ही छात्रों को यह भी जानकारी दी गई कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशे की चपेट में है, तो उसकी मदद कैसे की जा सकती है। मेराकी संस्था की ओर से छात्रों को नशा मुक्ति से संबंधित शपथ दिलाई गई और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प कराया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने खुलकर अपने सवाल रखे और विशेषज्ञों से समाधान प्राप्त किया। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करना और एक स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज की दिशा में प्रेरित करना रहा।

तालाब में सैकड़ों मछलियों की मौत, दहशत

पूर्वी सिंहभूम, (हि.स.)। बिष्टुपुर स्थित धतकीडीह तालाब में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब स्थानीय लोगों ने पानी की सतह पर बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां तैरती देखीं। देखते ही देखते तालाब के चारों ओर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि मरने वाली मछलियों का वजन लगभग 5 से 8 किलो के बीच है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बुधवार रात तक तालाब की स्थिति सामान्य थी, लेकिन गुरुवार सुबह अचानक इतनी बड़ी संख्या में मछलियों का मरना कई सवाल खड़े कर रहा है। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि तालाब से बदबू भी आ रही थी, जिससे स्थिति और गंभीर लग रही थी। हालांकि, मछलियों की मौत के वास्तविक कारणों का अब तक कोई आधिकारिक खुलासा नहीं हो सका है। धतकीडीह तालाब का संचालन करने वाले जमशेदपुर एंगलिंग क्लब की ओर से भी इस मामले में कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। क्लब के पदाधिकारी और वहां मौजूद कर्मचारी इस घटना पर कुछ भी कहने से बचते नजर आए। वहीं, सफाई कर्मियों ने भी अनभिज्ञता जताई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते तालाब की साफ-सफाई और पानी की गुणवत्ता की जांच की जाती, तो शायद इस तरह की घटना को टाला जा सकता था। लोगों ने प्रशासन से इस मामले की गंभीरता से जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, मरी हुई मछलियों को जुस्को की ओर से हटाने का काम शुरू कर दिया गया है, ताकि तालाब में और अधिक प्रदूषण न फैले।

भामाशाह जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश की मांग को लेकर उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन

पूर्वी सिंहभूम, (हि.स.)। पूर्वी सिंहभूम जिले में गुरुवार को अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की जिला इकाई ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर केंद्र सरकार से 23 अप्रैल को महादानवीर भामाशाह की जयंती को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के बाद महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उपायुक्त कार्यालय को सौंपा। महासभा के जिला अध्यक्ष राकेश साहू के नेतृत्व में पहुंचे सदस्यों ने कहा कि महादानवीर भामाशाह भारतीय इतिहास के ऐसे महान व्यक्तित्व रहे हैं, जिन्होंने त्याग, दान और राष्ट्रभक्ति की मिसाल पेश की। उन्होंने मेवाड़ के महाराणा प्रताप के संघर्ष के दौरान अपना समस्त धन समर्पित कर देशभक्ति का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसे आज भी पूरे देश में सम्मान के साथ याद किया जाता है। राकेश साहू ने कहा कि समाज में भामाशाह की भूमिका केवल एक दानी के रूप में ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना के प्रतीक के रूप में भी महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने बताया कि झारखंड सहित देश के कई राज्यों में भामाशाह जयंती बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाई जाती है, लेकिन अब तक इसे राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता नहीं मिल पाई है, जो कि समाज के लिए निराशाजनक है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि केंद्र सरकार 23 अप्रैल को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करती है, तो इससे देशभर में भामाशाह के विचारों और आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। साथ ही तैलिक साहू समाज सहित अन्य वर्गों में सम्मान और गर्व की भावना भी सुदृढ़ होगी।

अशोक सम्राट भवन निर्माण से 40 परिवारों पर पुनर्वास का संकट, वैकल्पिक जमीन की मांग

किशनगंज, (हि.स.)। ठाकुरगंज नगर पंचायत क्षेत्र के खोपरापट्टी में प्रस्तावित अशोक सम्राट भवन निर्माण को लेकर करीब 40 परिवारों के सामने पुनर्वास का संकट खड़ा हो गया है। वर्षों से सरकारी भूमि पर रह रहे ये परिवार अब बेघर होने की आशंका से चिंतित हैं और प्रशासन से वैकल्पिक जमीन उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। इसी मांग को लेकर प्रभावित परिवारों के प्रतिनिधियों ने नगर पंचायत के मुख्य पार्षद सिकंदर पटेल के नेतृत्व में ठाकुरगंज अंचल कार्यालय पहुंचकर अंचलाधिकारी मृत्युंजय कुमार से मुलाकात की। इस दौरान सभी 40 परिवारों की ओर से संयुक्त आवेदन सौंपते हुए खुद को भूमिहीन बताते हुए रहने के लिए वैकल्पिक जमीन उपलब्ध कराने की मांग की गई। परिवारों का कहना है कि वे कई वर्षों से उक्त स्थान पर रहकर अपना जीवन यापन कर रहे थे। अब अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया और अशोक सम्राट भवन निर्माण की योजना सामने आने के बाद वे अचानक बेघर होने की स्थिति में पहुंच गए हैं। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि भवन निर्माण से पहले उनके पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्य पार्षद सिकंदर पटेल ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि विकास कार्य जरूरी हैं, लेकिन गरीब और भूमिहीन परिवारों के अधिकारों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जब तक प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था नहीं होती, तब तक उन्हें विस्थापित नहीं किया जाए। साथ ही उन्होंने परिवारों को हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिया। वहीं अंचलाधिकारी मृत्युंजय कुमार ने बताया कि 40 परिवारों की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है। आवेदन के आधार पर सभी परिवारों की स्थिति की जांच कराई जाएगी। यदि जांच में परिवार भूमिहीन पाए जाते हैं, तो सरकारी नियमों के तहत उन्हें जमीन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी परिवार के साथ अन्याय नहीं होगा और नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अभिरक्षा में खड़े ई-रिक्शा से कंट्रोलर चोरी, पीड़ित ने एसपी से लगाई गुहार

किशनगंज, (हि.स.)। पुलिस अभिरक्षा में खड़े एक ई-रिक्शा से कंट्रोलर चोरी होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में गुरुवार को पीड़ित मो. इफ्तेखार आलम ने पुलिस अधीक्षक किशनगंज को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, लाईन मोहल्ला निवासी मो. इफ्तेखार आलम ने बताया कि दिनांक 05 अप्रैल 2026 को ट्रैफिक पुलिस ने नंबर प्लेट नहीं होने के कारण उनका ई-रिक्शा जब्त कर लिया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने 01 अप्रैल 2026 को ही किस्त पर नया ई-रिक्शा खरीदा था, जिस कारण उसका रजिस्ट्रेशन नंबर 08 अप्रैल 2026 को प्राप्त हुआ। पीड़ित के अनुसार, रजिस्ट्रेशन नंबर मिलने के बाद वह सभी आवश्यक कागजात के साथ थाना पहुंचे और दस्तावेज जमा किए। इसके बाद मौजूद पदाधिकारी ने उन्हें चाबी देते हुए थाना परिसर से वाहन लाकर फोटो खिंचवाने और 500 रुपये चालान जमा करने का निर्देश दिया। इफ्तेखार आलम ने बताया कि जब वह अपने ई-रिक्शा के पास पहुंचे और स्टार्ट करने की कोशिश की तो वाहन स्टार्ट नहीं हुआ। जांच करने पर उन्होंने पाया कि उनके नए ई-रिक्शा का कंट्रोलर किसी ने नोचकर निकाल लिया है। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना संबंधित पदाधिकारी को दी, जिसके बाद उन्हें आवेदन देने की सलाह दी गई।पीड़ित ने बताया कि वह बेहद गरीब हैं और ई-रिक्शा किस्त पर खरीदा है। वाहन नहीं चलने की स्थिति में उनके सामने परिवार के भरण-पोषण और बैंक किस्त जमा करने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। उन्होंने कहा कि घटना पुलिस अभिरक्षा में हुई है, जो बेहद चिंताजनक है। मो. इफ्तेखार आलम ने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए उनके ई-रिक्शा का कंट्रोलर वापस दिलाने की मांग की है, ताकि वह फिर से वाहन चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें।

बिहार के फारबिसगंज में ठेला लगाने के सवाल पर हुए विवाद में डबल मर्डर

अररिया (हि.स.)। बिहार में अररिया जिले के फारबिसगंज थाना क्षेत्र के कृषि उत्पादन बाजार समिति के गेट संख्या दो के पास ठेला लगाने के सवाल पर ठेला दुकानदार और पिकअप के ड्राइवर विवाद में दोनों की हत्या हो गई। पुलिस के मुताबिक ठेला चालक दुकानदार राहुल चौहान जो फारबिसगंज थाना क्षेत्र के ही चौहान टोला वार्ड संख्या चार का रहने वाला था। जिसने ड्राइवर से विवाद के बाद उसकी गला काटकर हत्या कर दी। ड्राइवर जोगबनी नगर परिषद क्षेत्र के अमौना वार्ड संख्या 21 नबी हुसैन पिता मो मुद्दीन था। ठेला दुकानदार प्रतिदिन ठेला लगाकर सत्तू और अनानास बिक्री करने का काम करता था। घटना को अंजाम देने के बाद ठेला दुकानदार कृषि उत्पादन बाजार समिति में बन रहे गोदाम की ओर झाड़ी में छिप गया। जहां मौके पर पहुंची पुलिस और भीड़ ने झाड़ी से उसे बाहर निकाला।पुलिस जब आरोपी ठेला दुकानदार को लेकर सुरक्षित ठिकाने की ओर ले जा रहा था तो आक्रोशित भीड़ ने पुलिस कस्टडी से आरोपी ठेला दुकानदार को छीनकर उनकी पिटाई कर दी और पीटते पीटते उनकी हत्या कर दी।जिसके बाद मौके पर फारबिसगंज एसडीएम अभय कुमार तिवारी और एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा,फारबिसगंज थानाध्यक्ष मनोज कुमार सहित भारी संख्या में पुलिस अधिकारी और बल मौके पर पहुंच मामले की तफ्तीश में जुट गए हैं।पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में ले लिया है। घटना के बाद पुलिस प्रशासन और अवैध ऑटो स्टैंड के सवाल पर आक्रोशित लोगों ने प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है।कृषि उत्पादन बाजार समिति (विघटित) के दरवाजे के साथ ही सुभाष चौक अन्य स्थानों पर सड़क जाम कर दिया और आगजनी कर प्रदर्शन कर रहे हैं।लोगों ने घटना के बाद पुलिस प्रशासन को सूचना देने के बावजूद काफी देर बाद पहुंचने का आरोप लगाया है। मौके पर एसडीएम अभय कुमार तिवारी,एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा,थानाध्यक्ष मनोज कुमार सहित कई थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर आक्रोशित लोगों को समझाने बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। मामले को लेकर फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा ने तत्काल कहा कि ठेला लगाने के सवाल पर हुए विवाद में घटना हुई है।पहले पिकअप ड्राइवर की गला रेतकर धड़ से सर को अलग कर दिया गया और उसके बाद आरोपी ठेला दुकानदार की पिटाई से हत्या की गई है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। एफएसएल की टीम की सहायता ली जाएगी।साथ ही आरोपी के ऊपर हमला करने वालों की भी शिनाख्त कर उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने प्रदर्शन ले बावजूद स्थिति नियंत्रण में करार दिया।

पहली बार कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या घटी, पुराने ग्राहकों पर बढ़ा फोकस

नई दिल्ली

नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच और ट्रांसयूनियन सीआईबीआईएल की हालिया रिपोर्ट में सामने आया है कि देश में पहली बार कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या घट रही है, जबकि कुल मिलाकर महिलाओं को दिए जा रहे ऋण में वृद्धि हो रही है।

कुल ऋण वितरण बढ़ने के बावजूद नई महिला कर्जदारों की हिस्सेदारी में लगातार गिरावट

हाल के वर्षों में पहली बार ऋण लेने वाली महिलाओं की हिस्सेदारी में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि कुल ऋण वितरण में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) के माध्यम से सूक्ष्म ऋण लेने वाली नई महिला कर्जदारों की हिस्सेदारी 2022 और 2023 में 28 प्रतिशत थी, जो 2024 में घटकर 27 प्रतिशत और 2025 में और गिरकर 24 प्रतिशत रह गई। इसके विपरीत, पहले से कर्ज ले चुकी महिलाओं की हिस्सेदारी इसी अवधि में 72 प्रतिशत से बढ़कर 76 प्रतिशत हो गई है। रिपोर्ट बताती है कि कुल ऋणों में नई महिला कर्जदारों की घटती हिस्सेदारी का मुख्य कारण कर्जदाताओं का अपने मौजूदा ग्राहकों पर अधिक ध्यान देना और नियमों का सख्त होना है। बार-बार कर्ज लेने वाले ग्राहकों को प्राथमिकता देने से कर्जदाताओं को अपने पोर्टफोलियो की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलती है। हालांकि, इस प्रवृत्ति का एक नकारात्मक पहलू भी है। इससे सूक्ष्म वित्त क्षेत्र का विस्तार सीमित हो सकता है, क्योंकि नए ग्राहकों तक पहुंच कम हो रही है। पिछले 18 महीनों में सूक्ष्म वित्त क्षेत्र को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिनमें कर्जदारों पर बढ़ता ऋण बोझ और गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों में वृद्धि शामिल है। इन कारणों से कर्ज वितरण की गति में भी कमी देखी गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि यह रुझान जारी रहता है, तो वित्तीय समावेशन के प्रयासों पर असर पड़ सकता है, खासकर उन महिलाओं के लिए जो पहली बार औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जुड़ना चाहती हैं।

न्यूज ब्रीफ

अनंत अंबानी ने कोयंबटूर के जीएसआईएफ को दिया बड़ा योगदान

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी ने कोयंबटूर स्थित गंगा स्पाइन इंजरी फाउंडेशन (जीएसआईएफ) को महत्वपूर्ण योगदान देने की घोषणा की है। यह कदम स्पाइनल कार्ड इंजरी से जूझ रहे मरीजों के लिए अमूल्य रिहैबिलिटेशन सेवा सुनिश्चित करेगा। अनंत अंबानी ने यह फैसला अपने जन्मदिन 10 अप्रैल से ठीक पहले लिया। जीएसआईएफ ने उनके उदार योगदान के लिए आभार जताया। फाउंडेशन के अनुसार, इस योगदान से मरीजों को 50 दिन या उससे अधिक समय तक पूर्ण, मुफ्त और व्यापक रिहैबिलिटेशन सेवाएं प्राप्त होंगी, जो उनकी व्यक्तिगत रिकवरी आवश्यकताओं पर आधारित होंगी। इस पहल के तहत मरीजों को मेडिकल केयर, फिजियोथेरेपी, आक्यूपेशनल थेरेपी, मोबिलिटी और व्हीलचेयर ट्रेनिंग, ब्लैडर और बाउल मैनेजमेंट, साइकोलाजिकल काउंसलिंग, न्यूट्रिशनल सपोर्ट और वोकेशनल/फंक्शनल रिहैबिलिटेशन जैसी सेवाएं मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य मरीजों को आत्मनिर्भर, काम पर लौटने योग्य और समाज में सम्मान के साथ फिर से एकीकृत करना है। जीएसआईएफ के एक अधिकारी ने कहा, हम इस सार्थक सहयोग के लिए गहराई से आभारी हैं। यह योगदान मरीजों और उनके परिवारों के जीवन पर स्थायी प्रभाव डालेगा, उन्हें उम्मीद और सम्मान के साथ आगे बढ़ने में मदद करेगा।

भारत के ईवी बाजार में विदेशी कंपनियों की तेज रफ्तार, टेस्ला इंक पीछे

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026 में भारत का इलेक्ट्रिक यात्री वाहन बाजार तेज रफ्तार से बढ़ते हुए 1,99,923 वाहनों तक पहुंच गया। हालांकि इस उछाल का सबसे ज्यादा फायदा नई विदेशी कंपनियों को मिला, जबकि वैश्विक दिग्गज टेस्ला अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन करता नजर आया। भारत का इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार वित्त वर्ष 2026 में 4.2 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ 1,99,923 यूनिट तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 83.6 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाता है। इस तेजी से बढ़ते बाजार में नई विदेशी कंपनियों ने तेजी से अपनी जगह बनाई है। टेस्ला इंक ने जुलाई 2025 में भारत में प्रवेश किया और सितंबर से डिलिवरी शुरू की। इसके बावजूद कंपनी पूरे वित्त वर्ष में केवल 342 वाहनों की बिक्री कर सकी, जो कुल बाजार का महज 0.17 प्रतिशत है। इसके उलट विनफास्ट ने बाजार में आने के महज एक साल के भीतर 2,390 वाहनों की डिलिवरी कर दी। यह टेस्ला की तुलना में लगभग सात गुना ज्यादा है और कंपनी को 1.2 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी दिलाता है। वहीं बीवाईडी ने 5,361 वाहनों की बिक्री के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई, जो पिछले साल से 54 प्रतिशत अधिक है। यह टेस्ला की बिक्री का लगभग 15 गुना है। हालांकि, बीवाईडी को भी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें पूरी तरह से निर्मित इकाइयों पर 100-110 प्रतिशत आयात शुल्क और भू-राजनीतिक तनाव शामिल है। इसके बावजूद कंपनी ने एट्टो 3 और ईमैक्स 7 जैसे 25-35 लाख रुपये की रेंज वाले माडलों से बाजार में पकड़ मजबूत की।

टोयोटा अपनी लोकप्रिय गाड़ियों के अपडेटेड वर्जन करेगी पेश

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में पनी मौजूदगी को और मजबूत करने के लिए जापानी आटो कंपनी टोयोटा साल 2026 में कई नए माडल लान्च करने जा रही है। टोयोटा कंपनी अपनी लोकप्रिय गाड़ियों के अपडेटेड वर्जन पेश करेगी। इस बार खास फोकस इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड तकनीक पर रहेगा, जिसमें कंपनी अपनी पहली फुल इलेक्ट्रिक एसयूवी भी बाजार में उतारेगी। कंपनी के अपकमिंग पोर्टफोलियो में टोयोटा अर्बन क्रूजर इबेला, नई जनरेशन टोयोटा फार्च्यूनर और अपडेटेड टोयोटा अर्बन क्रूजर हायराइडर शामिल है। ये सभी माडल डिजाइन, फीचर्स और परफार्मेंस के मामले में बड़े बदलाव के साथ आएंगे, जो ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए जा रहे हैं। टोयोटा अर्बन क्रूजर इबेला कंपनी की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी, जिसे अप्रैल 2026 में लान्च किए जाने की संभावना है। यह एक बार चार्ज करने पर करीब 440 से 543 किलोमीटर तक की रेंज दे सकती है और इसमें लेवल-2 अडास, 360-डिग्री कैमरा और डिजिटल डिस्प्ले जैसे एडवांस फीचर्स मिलेंगे। इसकी संभावित कीमत 18 से 23 लाख रुपये के बीच हो सकती है और इसका मुकाबला हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक और एमजी झेडएस ईवी से होगा।

सीजफायर विफल होने की आशंका से कच्चे तेल में उबाल, डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.5 प्रतिशत से अधिक उछला

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में सीजफायर को लेकर बनी असमंजस की स्थिति के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड आयल (कच्चे तेल) के भाव में एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है। ब्रेंट क्रूड 2.50 प्रतिशत से अधिक उछल गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने भी 3.50 प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई। पश्चिम एशिया में सीजफायर का ऐलान होने के कुछ घंटे बाद ही अमेरिका ने ईरान की शर्तों को बेतुका और बचकाना बता दिया। दूसरी ओर, इजरायल ने बुधवार को लेबनान पर जोरदार हमला किया, जिससे करीब 250 लोगों की मौत हो जाने की खबर आई। अमेरिका के तीखे बयान और इजरायल के हमले से भड़के ईरान ने एक बार फिर हार्मुज स्ट्रेट को बंद करने की धमकी दे दी। ईरान की ओर से कहा गया है कि सीजफायर की शर्तों का उल्लंघन हुआ है। ऐसी स्थिति में अगर हार्मुज स्ट्रेट से होकर कोई जहाज गुजरा, तो उसे उड़ा दिया जाएगा। ईरान की चेतावनी के बाद से ही हार्मुज स्ट्रेट एक बार फिर ठप हो गया है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी आ गई है।

ब्रेंट क्रूड ने 2.22 डालर प्रति बैरल की तेजी के साथ 96.97 डालर प्रति बैरल के स्तर से के कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही इसकी कीमत 97.89 डालर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10:30 बजे ब्रेंट क्रूड 2.53 डालर प्रति बैरल यानी 2.67 प्रतिशत उछल कर 97.28 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई क्रूड ने 2.49 डालर प्रति बैरल की तेजी के साथ 96.90 डालर प्रति बैरल के स्तर से के कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही इसकी कीमत 98.38 डालर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.31 डालर प्रति बैरल यानी 3.51 प्रतिशत उछल कर 97.72 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है की सीजफायर का ऐलान होने के बावजूद बुधवार को ज्यादातर समय हार्मुज स्ट्रेट ब्लाक पड़ा हुआ था। सीजफायर की घोषणा होने के कुछ घंटे बाद ही अमेरिका के तीखे बयान और ईरान के जवाबी बयान की वजह से सीजफायर के भविष्य को लेकर ऊहापोह की स्थिति बन गई। इसके साथ ही इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला कर हालात को और बिगाड़ दिया ईरान की ओर से सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल समेत खाड़ी के कई देशों में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल हमले होने की खबर भी आई। इसकी वजह से दो सप्ताह तक पश्चिम एशिया में सीजफायर जारी रहने की बात को लेकर आशंका बन गई है।

फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनिल भंसाली का कहना है कि सीजफायर अगर विफल हुआ, तो पश्चिम एशिया में हालत काफी हद तक बिगड़ सकते हैं। अमेरिका पहले ही ईरान पर जोरदार हमला करने की चेतावनी दे चुका है। दूसरी ओर, ईरान भी लगातार अमेरिका को जोरदार जवाब देने की धमकी देता रहा है। इन दोनों पक्षों की खेमेबंदी की वजह से दुनिया भर में क्रूड आयल और नेचुरल गैस की सप्लाई पर असर पड़ने लगा है।

हार्मुज स्ट्रेट ठप होने के कारण क्रूड आयल और नेचुरल गैस की 20 से 30 प्रतिशत आपूर्ति पूरी तरह से रुक गई है। इसके साथ ही खाड़ी देशों पर ईरान के हमले की वजह से क्रूड आयल और नेचुरल गैस के उत्पादन पर भी प्रतिकूल असर पड़ा है। ऐसे में सीजफायर विफल हो जाने की आशंका ने एक बार फिर दुनिया भर में एनर्जी क्राइसिस का डर बना दिया है। यही कारण है कि कच्चे तेल की कीमत में उछाल का रुख नजर आ रहा है।

टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 4वी वीएस हीरो एक्ट्रीम 160 4वी में है कई खूबियों

नई दिल्ली

युवाओं के बीच टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 4वी और हीरो एक्ट्रीम 160 4वी दो बेहद लोकप्रिय स्पोर्टी बाइक्स हैं। दोनों ही माडल परफार्मेंस, स्टाइल और फीचर्स के मामले में मजबूत दावेदार हैं, लेकिन उनकी खूबियां अलग-अलग राइडर्स की जरूरतों के अनुसार बेहतर साबित होती हैं।

कीमत की बात करें तो टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 4वी की एक्स-शोरूम कीमत करीब 1.25 लाख रुपये से शुरू होकर 1.37 लाख रुपये तक जाती है।

वहीं हीरो एक्ट्रीम 160 4वी की कीमत 1.30 लाख से 1.34 लाख रुपये के बीच है। दोनों की आन-रोड कीमत लगभग 1.45 से 1.55 लाख रुपये के आसपास रहती है। डिजाइन के मामले में अपाचे ज्यादा एग्रेसिव और रेस-इंस्पायर्ड लुक के साथ आती है, जिसमें शार्प लाइन्स और मस्कुलर टैंक देखने को मिलता है। वहीं एक्सट्रीम 160 4वी का डिजाइन ज्यादा स्लीक और स्ट्रीट-फ्रेंडली है, जो डेली यूज के लिए आकर्षक लगता है।

फीचर्स में टीवीएस आगे नजर आती है, जिसमें तीन राइड मोड्स, स्मार्टएक्सोनेक्ट कनेक्टिविटी, स्लिपर क्लच और ट्रैक्शन कंट्रोल जैसे एडवांस फीचर्स मिलते हैं। दूसरी ओर हीरो एक्सट्रीम 160 4वी क्रूज कंट्रोल, राइड-बाय-वायर और बेहतर रिफाइनमेंट के साथ कम्फर्टेबल राइड का अनुभव देती है। इंजन और परफार्मेंस की बात करें तो अपाचे में 159.7सीसी इंजन मिलता है, जो ज्यादा पावरफुल और रेस्पान्सिव है। वहीं हीरो में 163.2सीसी इंजन है, जो स्मूद राइड और बेहतर माइलेज पर फोकस करता है।

घरेलू दवा बाजार में वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में तेजी रही

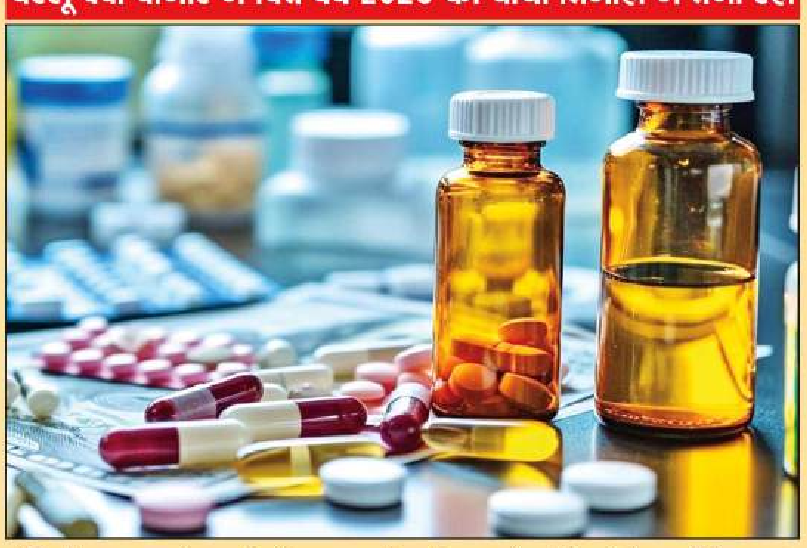

नई दिल्ली। भारत का घरेलू फार्मास्यूटिकल बाजार वित्त वर्ष 2026 की मार्च तिमाही में मजबूती के साथ बंद हुआ। बाजार अनुसंधान कंपनी फामरिक के अनुसार, चौथी तिमाही में लगभग 10.5 प्रतिशत की कुल वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछली पांच तिमाहियों में सबसे ऊंची है। वृद्धि में मुख्य योगदान कीमतों की बढ़ोतरी (5.4-5.5 फीसदी) का रहा, जबकि वास्तविक खपत में सुधार सीमित रहा, लगभग 1.7 फीसदी। मासिक डेटा में स्थिरता दिखी- जनवरी में 10.2, फरवरी में 11 (शीर्ष) और मार्च में 10.1 फीसदी। इस स्थिरता से पता चलता है कि सभी चिकित्सा क्षेत्रों में मांग मजबूत रही। विशेष रूप से पुरानी बीमारियों और स्पेशियलिटी दवाओं का योगदान लगातार वृद्धि में अहम रहा। यह संकेत है कि बाजार न केवल कीमतों पर निर्भर है, बल्कि धीरे-धीरे वास्तविक खपत में सुधार भी आ रहा है। विश्लेषक मानते हैं कि अगर आने वाली तिमाहियों में वाल्यूम ग्रोथ और बढ़ती है, तो यह स्वस्थ और टिकाऊ विकास का संकेत देगा।

सर्राफा बाजार में उछली चांदी, वायदा बाजार के भाव में आई गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। दूसरी ओर, वायदा बाजार (फ्यूचर ट्रेडिंग) में चांदी में गिरावट नजर आ रही है। सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान हाजिर चांदी ने बुधवार के शुरुआती कारोबार की तुलना में 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक की छलांग लगाई है। इस तेजी के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 4,09,800 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 4,25,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है।

दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी कल के शुरुआती कारोबार की तुलना में 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गई। इस उछाल के कारण ये चमकीली धातु 2,60,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 2,59,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,60,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

वहीं बेंगलुरु में चांदी 2,60,400 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,60,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 2,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत भी चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु 2,65,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

सर्राफा बाजार के विपरीत वायदा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मई फ्यूचर वाले सोने ने 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,51,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। इसी तरह जून डिलीवरी वाली चांदी 1.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,36,104 रुपये प्रति किलोग्राम के साथ स्तर पर आ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी में कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। कामेक्स पर सोना करीब 0.49 प्रतिशत गिरकर 4,753 डालर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था, जबकि चांदी करीब 1.68 प्रतिशत गिर कर 74.12 डालर प्रति औंस पर पहुंच गई।

सीएनजी कारों का जलवा: भारत में हर चौथी कार अब सीएनजी पर दौड़ रही

नई दिल्ली

भारत के कार बाजार में बड़े बदलाव देखे जा रहे हैं। अब खरीदार पहले कितना देती है नहीं, बल्कि कितना बचाती है सवाल पूछ रहे हैं। बढ़ती पेट्रोल-डीजल कीमतों और कम रनिंग कास्ट के कारण सीएनजी विकल्प तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2026 के आंकड़े बताते हैं कि अब देश में बिकने वाली हर चार में से एक कार सीएनजी पर चलती है। फेडरेशन आफ़ आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा)के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में देश भर में 47.05 लाख पैसेंजर व्हीकल्स बिकीं, जिनमें लगभग 10.34 लाख सीएनजी कारें थीं। इसका मतलब है कि सीएनजी की हिस्सेदारी अब 22 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि तीन साल पहले यह केवल 12-13 प्रतिशत थी। पेट्रोल का शेयर घटकर

47.48 फीसदी और डीजल का 18.08 फीसदी रह गया है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी बढ़कर 4.25 फीसदी हो गई है। सीएनजी का खर्च प्रति किलोमीटर पेट्रोल से 40-50 फीसदी तक कम है। भले ही सीएनजी कारें 80,000-1,00,000 रुपये महंगी हों, 15,000-20,000 किलोमीटर सालाना चलाने वाले लोग अतिरिक्त लागत 18 महीनों में निकाल लेते हैं। देशभर में सीएनजी पंपों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है, जिससे महंगे ईंधन की तुलना में सीएनजी भरवाना आसान हो गया है। मारुति, हुंडई और टाटा जैसे ब्रांड फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी कारें पेश कर रहे हैं। अब हैचबैक, सेडान और एसयूवी तक सीएनजी पोर्टफोलियो फैल गया है। टाटा ने वित्त वर्ष 26 में 1.72 लाख सीएनजी यूनिट बेचीं।

इलेक्ट्रिक माडलों पर आकर्षक छूट टाटा मोटर्स

नई दिल्ली। अप्रैल 2026 के दौरान स्वदेशी कंपनी ईवी निर्माता टाटा मोटर्स अपने इलेक्ट्रिक माडलों पर आकर्षक छूट दे रही है। ग्राहकों को इसी कड़ी में टाटा क्रूव ईवी पर अधिकतम 1.71 लाख रुपये तक का फायदा मिल सकता है, जिसमें कैश डिस्काउंट के साथ अन्य बेनिफिट्स भी शामिल हैं। फीचर्स के मामले में टाटा क्रूव ईवी काफी एडवांस्ड और प्रीमियम है। इसमें 12.3-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 12.25-इंच डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, 9-स्पीकर साउंड सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स और वायरलेस चार्जिंग जैसे फीचर्स दिए गए हैं। सेफ्टी के लिहाज से भी यह एसयूवी मजबूत है, जिसमें 6 एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम और लेवल-2 अडास जैसे आधुनिक फीचर्स मिलते हैं। पावरट्रेन की बात करें तो टाटा क्रूव ईवी दो बैटरी पैक विकल्पों के साथ आती है। इसका 45 केडब्ल्यूएच बैटरी वेरिएंट फुल चार्ज पर करीब 502 किलोमीटर की रेंज देता है, जबकि 55 केडब्ल्यूएच बैटरी वाला माडल लगभग 585 किलोमीटर तक चलने में सक्षम है। भारतीय बाजार में इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 17.49 लाख रुपये रखी गई है। ऐसे में आकर्षक छूट के साथ टाटा क्रूव ईवी इलेक्ट्रिक कार खरीदने वालों के लिए एक बेहतरीन डील साबित हो सकती है। कंपनी का दावा है कि यह इलेक्ट्रिक एसयूवी लंबी दूरी के सफर के लिए भी एक भरोसेमंद विकल्प है।

फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026, राउंड 9 : वैशाली ने दिव्या को हराकर संयुक्त बढ़त बनाई, सिंदारोव और प्रज्ञानानंद ड्रा पर रुके

नई दिल्ली

आर. वैशाली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हमवतन दिव्या देशमुख को हराकर फिडे कैंडिडेट्स 2026 के राउंड 9 के बाद शीर्ष स्थान पर संयुक्त बढ़त बना ली है। अब वह झू जिनर के साथ बराबरी पर हैं, जिन्होंने कातेरिना लाग्नो को मात दी।

वैशाली ने दिव्या की सेंटर में की गई एक गलती का पूरा फायदा उठाया। दिव्या के जैसे ओवरकमिटमेंट वाले मूव ने उनके पोजिशन को कमजोर कर दिया, जिससे सेंटर पर पकड़ ढीली पड़ गई और प्यादों में कमजोरी आ गई। इसके बाद जैसे मूव्स के जरिए वैशाली ने अपने क्वीन और रूक को सक्रिय किया और खुले फाइल्स व डायगोनल्स पर नियंत्रण बना लिया।

वैशाली ने सातवीं रैंक पर घुसपैठ कर दी, कमजोर प्यादों को निशाना बनाया और समय के दबाव में आई दिव्या को आखिरकार हार मानने पर मजबूर कर दिया।

दूसरी ओर, आर. प्रज्ञानानंद ने वेई यी के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाया। एक शानदार चाल रही, जिससे ब्लैक की संरचना पर दबाव बना। इसके बाद उन्होंने डबल अटैक किया और कई कमजोरियों को निशाना बनाया।

हालांकि, निर्णायक बढ़त के लिए कोई ठोस प्यादा ब्रेक नहीं मिल सका और वेई यी ने मजबूत डिफेंस करते हुए मुकाबले को ड्रा पर समाप्त कराया।

इधर, टेबल टापर जावोखिर सिंदारोव को लगातार दूसरी बार ड्रा से संतोष करना पड़ा, जब उन्होंने माथियास ब्लूबाउम के खिलाफ जीत की स्थिति गंवा दी।

अन्य मुकाबलों में अनिश गिरि ने फैबियानो कारुआना को हराया, जबकि आंद्रेई एसिपेंको और हिकारू नाकामुरा के बीच मुकाबला ड्रा रहा।

महिला वर्ग में अन्ना म्यूजिचुक और तान झोंगयी के बीच बाजी बराबरी पर छूटी, जबकि अलेक्जांद्रा गोरयाच्किना और बिबिसारा अस्साउबायेवा ने भी अंक साझा किए।

न्यूज ब्रीफ

नए एशियन गेम्स क्रिकेट स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर की मेजबानी करेगा जापान

टोक्यो/नागोया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने घोषणा की है कि जापान में एशियन गेम्स के लिए बनाए गए नए क्रिकेट स्टेडियम में अगले महीने पहली बार पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे। बेसबाल के लिए प्रसिद्ध जापान इस साल एशियन गेम्स 2026 की मेजबानी कर रहा है, जो 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक नागोया और ऐची क्षेत्र में आयोजित होंगे। इसी के लिए तैयार किया गया नया क्रिकेट मैदान अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शुरुआत करेगा। नागोया के पास निशिन में स्थित यह स्टेडियम 8 से 18 मई के बीच 2028 पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालीफायर मुकाबलों की मेजबानी करेगा। यह अब तक का सबसे बड़ा ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होगा, जिसमें नौ टीमें भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट के जरिए टीमें आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करेंगी। कुछ मुकाबले टोक्यो से करीब 100 किलोमीटर दूर सानो स्थित जापान क्रिकेट एसोसिएशन के मुख्यालय में भी खेले जाएंगे। जापान क्रिकेट एसोसिएशन के मुख्य संचालन अधिकारी एलन कर ने कहा कि यह जापान के लिए एक बड़ा अवसर है, जिससे वह बहु-स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने की अपनी क्षमता दिखा सकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह आयोजन ईएपी क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ टीमों को मंच देने के साथ-साथ एशियन गेम्स से पहले क्रिकेट को लेकर उत्साह भी बढ़ाएगा। इस क्वालीफायर में मेजबान जापान के अलावा कुक आइलैंड्स, फिजी, इंडोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, समोआ और वनुआतु की टीमें हिस्सा लेंगी।

शमी की भारतीय टीम में वापसी होनी चाहिये : गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का कहना है कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम में वापसी होनी चाहिये। गांगुली के अनुसार शमी जैसे गेंदबाज की भारतीय टीम को जरुरत है। जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी शुरु करने के लिए उनसे बेहतर कोई भी नही है। शमी ने आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से काफी अच्छा प्रदर्शन किय है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 9 रन देकर 2 विकेट लिए थे। गांगुली ने कहा, हमने देखा कि उन्होंने सनराइजर्स के खिलाफ क्या शानदार ओवर किया। साथ ही कहा किक ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा जैसे आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं है। इनके खिलाफ 4 ओवर में 9 रन देना उनके गेंदबाजी कौशल को दिखाता है। गांगुली ने कहा कि शमी ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि रणजी ट्राफी में शमी ने लगातार बेहतरीन गेंदबाजी की है। उन्होंने सेमीफाइनल में 8 विकेट लिए थे।गांगुली का मानना है कि शमी पूरी तरह फिट हैं और लगातार खेलने से उनकी फार्म और बेहतर हुई है। उन्होंने कहा, जब कोई गेंदबाज लगातार गेंदबाजी करता है, तो वह अपनी बेस्ट फार्म में होता है। नेट्स से ज्यादा मैच अभ्यास मायने रखता है।गांगुली को उम्मीद है कि चयन समिति उनके ऊपर जरुर ध्यान देगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शमी को भारत के लिए खेलना चाहिए।

अभी संन्यास नहीं लेंगे फखर

लाहौर। पाकिस्तान के अनुभवी सलामी बल्लेबाज बल्लेबाज फखर जमा ने खुलासा किया है कि टी20

विश्वकप के बाद वह खेल को अलविदा कहने वाले थे पर अब उन्होंने अपना फैसला बदल दिया है। फखर का कहना है कि वह करियर को उस समय छोड़ना चाहते हैं जबकि उसके शीर्ष पर हों। फखर अभी पाक सुपर लीग (पीएसएल) में खेल रहे हैं। इसमें भी वह गेंद से छेड़छाड़ को लेकर विवादों में हैं। टी20 विश्वकप में उन्हें अधिक अवसर नहीं मिले थे। उन्हें पूरे ग्रुप स्तर पर बाहर ही बैठना पड़ा था सुपर-8 मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने एक ही बार 16 गेंदों में 25 रन बनाये थे। फखर को श्रीलंका के खिलाफ एक मैच में पारी की शुरुआत का अवसर मिला था। इसमें उन्होंने 42 गेंदों में 84 रन बनाये थे। लाहौर कलंदर्स से खेल रहे फखर पर पीएसएल में गेंद से छेड़छाड़ के मामले को लेकर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया गया है।

आईपीएल 2026 : रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 01 रन से हराया

नई दिल्ली

गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला गया आईपीएल 2026 का मुकाबला इतिहास के सबसे रोमांचक मैचों में शुमार हो गया, जिसमें गुजरात ने महज 01 रन से जीत दर्ज की। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले का फैसला आखिरी गेंद पर हुआ, जब कुलदीप यादव रन आउट हो गए और दिल्ली की जीत की उम्मीद टूट गई। 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत शानदार रही। पथुम निशांका ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पावरप्ले में तेजी से रन जोड़े। जबकि केएल राहुल ने बेहतरीन लय में बल्लेबाजी करते हुए 52 गेंदों में 92 रन की शानदार पारी खेली। राहुल ने 11 चौके और 4 छक्के जड़कर टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया था।

हालांकि, मैच का रुख तब बदला जब राशिद खान ने अपने स्पेल में शानदार गेंदबाजी करते हुए लगातार विकेट झटके। उन्होंने मिडिल ओवरों में दिल्ली की रनगति पर ब्रेक लगाया और अहम बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। इसी दौरान उन्होंने अपने करियर का 1000वां विकेट भी पूरा किया। दूसरी ओर, प्रसिद्ध कृष्णा ने भी अहम मौकों पर विकेट लेकर टीम को मुकाबले में बनाए रखा। आखिरी ओवर में उनकी संयमित गेंदबाजी ने मैच का पासा पलट दिया। मैच के हीरो रहे डेविड मिलर, जिन्होंने चोटिल होने के बावजूद वापसी कर 20 गेंदों में नाबाद 41 रन बनाए। आखिरी ओवर में उन्होंने टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया था, लेकिन पांचवीं गेंद पर सिंगल लेने से इनकार करना निर्णायक साबित हुआ। अंतिम गेंद पर 2 रन की जरूरत थी, लेकिन जोस बटलर के सटीक थ्रो ने कुलदीप यादव को रन आउट कर दिया और गुजरात टाइटंस ने सांसें थाम देने वाले मुकाबले में जीत हासिल कर ली। इससे पहले, गुजरात ने अपनी पारी में चार विकेट खोकर 210 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। गुजरात की पारी के हीरो कप्तान शुभमन गिल रहे, जिन्होंने 45 गेंदों पर 70 रन की शानदार पारी खेली। इसके अलावा जोस बटलर ने भी विस्फोटक अंदाज में 27 गेंदों में 52 रन बनाए। जबकि मध्यक्रम में वाशिंगटन सुंदर ने भी अहम योगदान देते हुए अर्धशतक जड़ा और टीम के स्कोर को 200 के पार पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दिल्ली की ओर से गेंदबाजी में मुकेश कुमार ने दो विकेट लिए, जबकि लुंगी एनगिडी को एक सफलता मिली। इस जीत के साथ गुजरात ने आईपीएल 2026 में अपना खाता खोला, जबकि दिल्ली कैपिटल्स को एक और करीबी हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला लंबे समय तक क्रिकेट प्रेमियों के जेहन में बना रहेगा।

मिलर के बचाव में उतरे गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज डेविड मिलर के गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में अंतिम ओवर की पांचवी गेंद पर एक रन नहीं लेने के फैसले का बचाव करते हुए कहा है कि मिलर की इसमें कोई गलती नहीं लगती। गावस्कर के अनुसार मिलर को लग रहा था कि वह अच्छे फार्म में हैं और अंतिम गेंद पर आसानी से बड़ा शाट लगा देंगे। इसी कारण उन्हें एक रन लेककर कुलदीप यादव को स्ट्राइक नहीं दी। वहीं इस मैच में कपिटल्स की हार के बाद सभी लोगों का मानना था कि मिलर ने गलती की है। मिलर के फैसले के बाद दिल्ली को अंतिम गेंद पर भी कोई रन नहीं मिला, जिस वजह उसके हाथ आया मैच फिसल गया। वहीं गावस्कर ने इस फैसले का कारण बताते हुए कहा कि वह अपने से को विजयी रन बनाना चाहता था। जिस तरह से वह पिछले ओवर में खेल रहा था, उसे विश्वास था कि वह बड़ा शाट लगा सकता है। इसी लिए उसने एक रन नहीं लिया। इसके लिए उसे दोषी नहीं माना जा सकता है।वहीं अंतिम गेंद पर रन इसलिए नहीं बना क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद बहुत अच्छी थी।

अब अफ्रीकी टीमों के लिए कान्टिनेंटल टी20 कप शुरु करेगी एसीए

जोहांसबर्ग

अब आने वाले समय में दक्षिण अफ्रीका में भी एशिया कप की तरह ही अफ्रीकी टीम के बीच एक टी20 टूर्नामेंट खेला जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने कहा है कि उसका लक्ष्य कान्टिनेंटल टी20 कप शुरू करना है जिससे की अफ्रीकी देशों में क्रिकेट को बढ़ावा मिल सके। इससे मिलने वाली राशि से अफ्रीकी देशों में क्रिकेट ढ़ाचा बेहतर बनाया जाएगा। अगले साल के अंत तक इस टूर्नामेंट के शुरु होने की उम्मीदें हैं। इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया सहित कुछ और देश भी खेल सकते हैं। पिछले साल से अफ्रीकी क्रिकेट संघ फिर सक्रिय हुआ है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के चेयरमैन तवेंग्वा मुकुहलानी को इस संघ का प्रमुख बनाया गयाह है। यह संघ अभी उन प्रस्तावों पर ध्यान दे रहा है जिससे उसे अच्छा आर्थिक लाभ हो सकता है। ऐसे में साल 2027 से पहले इस टी20 टूर्नामेंट के शुरु होने की संभावना नहीं है।अभी इस टूर्नामेंट के लिए एक आइडियल विंडो के साथ ही क्वालिफिकेशन प्रक्रिया पर बात चल रही है। इसमें सबसे अहम भूमिका दक्षिण अफ्रीका की होगी। सीएसए इसमें अपनी भूमिका निभाने तैयार है पर लेकिन उसे अपने कैलेंडर में जगह चाहिए, ताकि यह तय हो सके कि वह किसी भी प्रस्तावित टूर्नामेंट में अपनी पहली पसंद की टीम भेज सकता है या नहीं हालांकि, दक्षिण अफ्रीका अभी सर्दियों में पांच महीने के ब्रेक पर है, लेकिन वे सितंबर में फिर से खेलना शुरू करेंगे और फरवरी 2027 तक लगातार खेलेंगे। आईसीसी अगले साल नवंबर से पहले नए भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) के जारी होने की उम्मीद है।इससे पता चलेगा कि अगले पांच साल दक्षिण अफ्रीका टीम का कार्यक्रम कैसा रहने वाला है। उसी के बाद अफ्रीकी टी20 टूर्नामेंट को लेकर फैसला होगा।

मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट

अगस्ता में मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में खेलते हुए अमेरिका के स्कोटी स्चेफर।

इंग्लैंड को एशेज जिताने वाले होगार्ड आज कुत्तों की देखभाल कर घर चला रहे

लंदन

क्रिकेट में जहां काफी पैसा है और खिलाड़ी वैभवशाली जीवनशैली जीते हैं पर हर किसी के मामले में ये लागू नहीं होता। इसी कारण क्रिकेट से संन्यास के बाद कई खिलाड़ी मुश्किल हालातों में संघर्ष करते देखे गये हैं। यही कुछ इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू होगार्ड के साथ हुआ है। होगार्ड एक समय इंग्लैंड के प्रमुख गेंदबाज थे। साल 2005 में उन्होंने इंग्लैंड को एशेज में जीत दिलायी थी। वहीं क्रिकेटर आज कुत्तों की देखभाल कर अपना जीवन गुजार रहे हैं।

2000 से 2008 तक इंग्लैंड की गेंदबाज़ी का आधार रहे होगार्ड को संन्यास के बाद वह जगह नहीं मिली जो मिलनी चाहिये थी। इसी कारण उनके आर्थिक हालात खराब होते गये और अंत में उन्हें अपनी पत्नी के साथ कुत्तों की देखभाल का काम करना पड़ रहा है जबकि अपनी करियर के दिनों में होगार्ड का समाना करने से विश्व के दिग्गज बल्लेबाज डरते थे। उनके नाम 67 टेस्ट मैचों में 248 विकेट हैं। होगार्ड गेंद को दोनों तरफ घुमाते थे। साल 2005 एशेज सीरीज में होगार्ड ने 24 विकेट लेकर आस्ट्रेलिया को धवस्त कर दिया था। उकनी स्विंग के सामने रिकी पोंटिंग और मैथ्यू हेडन जैसे दिग्गज वहीं सला 2008 के आसपास होगार्ड का प्रदर्शन नीचे आया जिसके बाद उनकी काउंटी टीम यार्कशायर ने भी उन्हें बाहर कर दिया। क्रिकेट से संन्यास के बाद आर्थिक संकट बढ़ने लगे। ऐसे में उन्हें अपना घर चलाने के लिए एक नया रास्ता चुनना पड़ा। होगार्ड ने हागर्स डाग ग्रूमिंग नाम से एक बिजनेस शुरू किया. आज वे कुत्तों को नहलाते हैं, उनके बाल काटते हैं और उन्हें संवारते हैं। सुनने में यह किसी के लिए भी चौंकाने वाला हो सकता है कि जिस हाथ ने कभी एशेज की चमचमाती ट्राफी थामी थी, वो आज जानवरों की सेवा कर रहे हैं।

अपनी विविधता भरी गेंदबाजी से तेज गेंदबाज वैशाख ने बनायी अलग पहचान

नई दिल्ली

आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स के युवा तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने अपनी शानदार गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। वैशाख की खासियत ये है कि उनकी गेंदों में काफी विविधता है और रफ्तार भी 140 से 145 किलोमीटर/प्रतिघंटा की है। जिसका सामना करना बल्लेबाजों के लिए काफी कठिन हो रहा है।वैशाख अपना चौथा आईपीएल सीजन खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक 19 मुकाबलों में 29.45 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं। इससे पहले वैशाख ने साल 2023 आईपीएल सत्र में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए 7 मुकाबलों में 9 विकेट लिए थे। विजयकुमार ने साल 2024 सत्र में 4 मुकाबलों में 4 विकेट लिए ले। वहीं आईपीएल के पिछले सत्र में पंजाब किंग्स ने उन्हें खरीदा था पर वह फिट नहीं होने के कारण काफी कम मुकाबले खेल पाये थे। तब वैशाख ने 5 खेलते हुए 4 विकेट लिए थे।

वहीं इस सत्र में इस गेंदबाज ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट लिए है। वैशाख ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ पहले मैच में 34 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं दसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 38 रन देकर 2 विकेट लिए। इस सत्र में उनके गेंदबाजी कौशल को काफी सुधार आया है। उनकी वाइड यार्कर और स्लो बाउंसर का जवाब बल्लेबाजों के पास नहीं हैं। वह गेंद की गति को अचानक कम करते हुए बल्लेबाजों को हैरान कर रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उनके नाम फर्स्ट क्लास करियर के 31 मुकाबलों में 25.14 की औसत के साथ 116 विकेट हैं। ।वहीं, लिस्ट-ए करियर के 29 मुकाबलों में विजयकुमार ने 40 विकेट निकाले हैं। 52 टी20 मुकाबलों में यह गेंदबाज 66 विकेट अपने नाम कर चुका है।इस गेंदबाज ने अपनी सफलता का श्रेय कर्नाटक के घरेलू क्रिकेट और अपने कोच को दिया है। उनका मानना है कि घरेलू क्रिकेट में खेलते समय अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के खिलाफ गेंदबाजी से उनका मनोबल बढ़ा है।

आकाश चोपड़ा ने बताया पंजाब किंग्स की जीत का कारण

मुंबई। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि कप्तान श्रेयस अय्यर और कोच रिकी पोंटिंग के बेहतर प्रबंधन और बल्लेबाजी कौशल के कारण ही पंजाब किंग्स टीम आईपीएल में मजबूती से उभरी है और इसी कारण किसी भी टीम के लिए उसे हराना काफी कठिन होगा। चोपड़ा के अनुसार पंजाब की बल्लेबाजी काफी मजबूत है। इसमें अधिकत युवा खिलाड़ी हैं। पिछले सत्र में भी टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था हालांकि उसे खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं इस बार उसने शुरुआती दो मैचों को जीतकर अच्छी शुरुआत की है। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि पंजाब किंग्स इस सत्र मे एक मजबूत दावेदार है। इसका कारण है कि टीम की बल्लेबाजी उस प्रकार की है जैसी राष्ट्रीय टीम की है। उन्होंने कहा, पंजाब किंग्स निश्चित रूप से उन टीमों में से एक है जिन्हें हराना कठिन है। जो चीज उन्हें दूसरों से अलग बनाती है, वह है उनका बल्लेबाजी कौशन। वे ज्यादातर उन युवा भारतीय खिलाड़ियों पर आधारित हैं जिनका अंतरराष्ट्रीय अनुभव सीमित है और जिन्हें विदेशी खिलाड़ियों का साथ मिलता है। इसके बाद भी टीम अच्छा कर रही है। वहीं युवा खिलाड़ी प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य ने टीम की ओर से पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया था और करीब 549 और 475 रन बनाए थे। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर ने पिछले सीजन में 604 रन बनाये थे। आकाश चोपड़ा ने आगे कहा कि भले ही पंजाब किंग्स की गेंदबाज सामान्य है पर उसके गेंदबाज आनी भूमिका ठीक से निभाते हैं। उन्होंने कहा, उनकी गेंदबाजी कोई बहुत खास गेंदबाज नहीं है पर वह प्रभावी है।

फिल्मार्ट 2026- अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं ने दिया रचनात्मक बौद्धिक संपदा के मूल्यांकन पर जोर

हांगकांग में गत माह संपन्न 30वें हांगकांग अंतर्राष्ट्रीय फिल्म और टीवी बाजार (फिल्मार्ट) और एंटरटेनमेंटपल्स में भाग लेने वाले फिल्म एवं टेलीविजन कंटेट निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों ने दुनिया के सीमाई एवं भाषाई बाधाओं को पार कर जुड़ने और रचनात्मक बौद्धिक संपदा के मूल्यांकन पर जोर देते हुए निर्माण की विविधता के लिए साझीदारियों पर काम करने की दिशा में रुचि व्यक्त की। मार्च में 17 से 20 तारीख के बीच यहां सफलतापूर्वक संपन्न इस चार दिवसीय आयोजन में 53 देशों और क्षेत्रों से लगभग 8,000 फिल्म उद्योग के विशेषज्ञों ने भाग लिया जिन्होंने आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस (एआई) तथा रचनात्मक बौद्धिक संपदा यानी क्रिएटिव इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (आईपी) के बेहतर के उपयोग के मुद्दों पर गहन विचार मंथन किया। हांगकांग व्यापार विकास परिषद द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में 38 देशों और क्षेत्रों के 790 फिल्म प्रदर्शक शामिल हुए। इनमें आसियान सदस्य देशों - कंबोडिया, मलेशिया, थाईलैंड और वियतनाम - के साथ-साथ कनाडा, फ्रांस, इटली, कोरिया, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे पुराने एवं मंझे हुए बाजार भी शामिल थे। आयोजकों के अनुसार इस आयोजन में विविधता पूर्ण भागीदारी ने हांगकांग की सांस्कृतिक और कलात्मक आदान-प्रदान की जीवंत भूमिका को पुनः रेखांकित किया है। फिल्मार्ट में अनेक प्रतिभागी पहली बार आए थे और यहां आने के बाद उनका अनुभव उत्साहजनक रहा। सिंगापुर की सीओएल इंटरनेशनल ग्रुप के महाप्रबंधक टिमोथी ओह ने इस मौके पर कहा कि तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका, ब्राजील से साझीदारों से मुलाकात से नये अवसरों की राह खुली और कुल मिलाकर हॉन्गकॉन्ग में यह आयोजन नयी संभावनाओं और अवसरों से भरा है। श्रीलंका की मोगो स्टूडियोज की जीएम सचिता कलिंगमुदली ने कहा कि उनके साथ काम करने को लेकर दुनिया भर के डिस्ट्रीब्यूटर्स ने रुचि दिखाई है और इस प्रकार से यह भविष्य के साझीदारियों की शानदार शुरुआत है। म्यांमार की कंपनी *ए ट्वेंटी थ्री* ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पहला कदम फिल्मार्ट में घोषित किया। कंपनी के संस्थापक अर्कर सो ऑन ने अमेरिका/यूरोप डिस्ट्रीब्यूटर्स से जुड़ने और अगले साल एक बड़ी योजना पर काम करने की बात कही। निर्माताओं के साथ खरीदार भी खासे उत्साहित दिखे। ब्रिटेन के खरीदार बिजान टॉन्ग ने मोफाक के साथ रणनीतिक समझौता किया और कई सह-उत्पादनों पर काम करने की योजना को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि फिल्मार्ट वास्तविक सौदों एवं साझीदारियों का मंच है। इस आयोजन में एशिया मीटिंग्स निवेश के अवसर में बदल गई। एआई हब में चीन की तकनीकी कंपनियों ने एनिमेशन, शॉर्ट ड्रामा और डिजिटल ह्यूमन्स के लिए एआई डेमो दिए। दाओगू कल्चर के सीईओ झिहान झांग ने कहा कि फिल्मार्ट हमें वैश्विक जरूरतों से जोड़ता है और यह विदेशी विस्तार की कुंजी साबित हुआ है। नई एआई एकेडमी ने 19 वर्कशॉप्स आयोजित किये जिन्हें सांस्कृतिक एंड क्रिएटिव इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट एजेंसी और फिल्म डेवलपमेंट फंड द्वारा सहयोग मिला। फिल्मार्ट में हॉन्गकॉन्ग और दुनिया भर से 100 से अधिक निर्माता, प्रोड्यूसर्स कनेक्ट में जुटे। इसका आयोजन हांगकांग स्वायत्त शासन के संस्कृति, खेल एवं पर्यटन विभाग द्वारा किया गया। पैनल्स में संयुक्त रूप से उत्पादन पर चर्चा हुई। गोल्डन ग्लोब विजेता जेनेट यांग बोलीं कि दुनिया सीमाओं के परे विकसित हो रही है, भाषाओं की बाधाएँ मिट रही हैं। निर्देशक पीटर चान ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों से निवेशकों को विविधता लाना चाहिए और अपना विजन बाजार में पेश करना चाहिए। फिल्मार्ट में विभिन्न फोरम के आयोजन ने कई ट्रेंड्स सेट किये। एंटरटेनमेंटपल्स और डिजिटल एंटरटेनमेंट समिट के 48 फोरम ने एआई, स्ट्रीमिंग, शॉर्ट ड्रामा और फाइनेंसिंग पर रोशनी डाली। गोल्डफिंच इंटरनेशनल के जस्टिन डीमेन ने सलाह दी कि क्रिएटिव इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी का मूल्यांकन करें और उनके मूल्य के बिना निवेश नहीं करें। हांगकांग व्यापार विकास परिषद के अनुसार फिल्मार्ट और एंटरटेनमेंटपल्स 2026 ने न केवल हांगकांग को एशिया के एक प्रमुख मनोरंजन व्यापार केंद्र के रूप में मजबूती से स्थापित किया है बल्कि यह भी दिखाया है कि नवान्वेषण, सहयोग और सीमा-पार साझीदारियाँ वैश्विक फिल्म और टेलीविजन उद्योग का भविष्य तय कर रही हैं। इस आयोजन से फिल्मार्ट भी एक बार फिर से एशिया के सबसे प्रभावशाली कारोबारी प्लेटफॉर्म के रूप में अपनी महत्ता रेखांकित करने में सफल रहा। सिंगापुर, श्रीलंका और म्यांमार के प्रथम बार भाग लेने वाले प्रदर्शकों ने अंतर्राष्ट्रीय साझीदारियों के अवसरों की सराहना की। ब्रिटेन के खरीदार बिजहान टोंग ने कहा कि फिल्मार्ट वैश्विक स्तर पर सीमा-पार सहयोग को बढ़ावा देने वाले सबसे प्रभावी प्लेटफॉर्मों में से एक है। इस वर्ष फिल्मार्ट का प्रमुख आकर्षण आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस (एआई) रहा, जहाँ प्रमुख चीनी तकनीकी कंपनियों ने एआई एनीमेशन, शॉर्ट ड्रामा और डिजिटल ह्यूमन जैसी नवीनतम तकनीकें प्रदर्शित कीं। साथ ही, नव स्थापित एआई एकेडमी की 19 कार्यशालाओं के माध्यम से पेशेवरों को व्यावहारिक एआई कौशल और उभरते रुझानों की जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसी दौरान *प्रोड्यूसर्स कनेक्ट* पहल ने हांगकांग और दुनिया भर के 100 से अधिक निर्माताओं को एक साथ जोड़ा। गोल्डन ग्लोब विजेता निर्माता जेनेट यांग और निर्देशक पीटर चान ने अंतर्राष्ट्रीय सह-निर्माण पर अपने विचार साझा किए और निवेशकों को विविध क्षेत्रों में जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रदर्शनी में भारतीय फिल्म एवं मनोरंजन उद्योग को समर्पित भारत पैवेलियन भी स्थापित की गयी थी। 18 मार्च को भारत पवेलियन में एक विशेष ब्रीफिंग आयोजित की गई थी। हांगकांग में भारत के महावाणिज्य दूत राजेश नाइक और सेवा निर्यात संवर्धन परिषद (एसईपीसी) के महानिदेशक अभय सिन्हा के साथ एचकेटीडीसी के श्री जॉनसन एनजीऔर सुश्री जोसेफिन लैम भी उपस्थित थे। बातचीत में फिल्मआर्ट प्रतिनिधियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिन्होंने इस वर्ष के बाजार में मजबूत भारतीय उपस्थिति की सराहना की और फिल्मार्ट के भविष्य के संस्करणों में भारत के बढ़ते पदचिह्न और सहयोग के व्यावहारिक अवसरों पर चर्चा की। एंटरटेनमेंटपल्स और डिजिटल एंटरटेनमेंट शिखर सम्मेलन में स्ट्रीमिंग रणनीतियों, शॉर्ट ड्रामा, वित्तपोषण और आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस (एआई) जैसे विषयों पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने रचनात्मक बौद्धिक संपदा यानी क्रियेटिव इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (आईपी) के बेहतर मूल्यांकन की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि निवेश आकर्षित किया जा सके। प्रदर्शनी के आयोजन के साथ-साथ *फिल्मार्ट ऑनलाइन आईपी कैटलॉग* में 2200 से अधिक रचनात्मक परियोजनाएँ सूचीबद्ध की गईं। यह प्लेटफॉर्म 27 अप्रैल 2026 तक खुला रहेगा, जिससे उद्योग प्रतिभागी भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर व्यापारिक अवसरों का विस्तार कर सकेंगे।

खाने के बाद सिर्फ एक चम्मच सौंफ खाने से सेहत में होंगे तीन बड़े सुधार

डॉक्टर ने खुद गिनाए फायदे

कई लोगों को खाना खाने के बाद सौंफ खाने की आदत होती है। कई होटलों में भी आपने देखा होगा कि खाने के बाद माउथ फ्रेशनर की तरह सौंफ दी जाती है, लेकिन यह इससे कहीं ज्यादा फायदेमंद है। खाने के बाद सिर्फ एक चम्मच सौंफ खाना आपके पाचन के लिए दवा साबित हो सकती है। सौंफ में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो आपके पाचन के लिए वरदान साबित हो सकते हैं। इस बारे में गैस्ट्रोएंटीरियोलॉजिस्ट डॉ. सौरभ सेठी बता रहे हैं। आइए जानें खाने के बाद सौंफ खाने के 3 फायदे। बहुत हैवी खाना खाने के बाद अक्सर पेट फूलने और भारीपन की समस्या हो जाती है। सौंफ में एनेथोल जैसे नेचुरल एंटी-इंफ्लेमेटरी कंपाउंड और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं। यह कॉम्बिनेशन पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है। सौंफ पेट में गैस को बनने से रोकती है और बनी हुई गैस को आसानी से बाहर निकालने में मदद करती है। अगर आप अपच या कब्ज की समस्या से जूझ रहे हैं, तो एक चम्मच सौंफ खाना आपके मेटाबॉलिज्म के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। सौंफ में एंटीस्पास्मोडिक इफेक्ट होते हैं। कई बार हैवी खाना खाने के कारण आंतों में खिंचाव या पेट में मरोड़ महसूस होने लगती है। सौंफ के बीज पेट की मांसपेशियों को आराम पहुंचाते हैं, जिससे पेट दर्द और आंतों की परेशानी कम होती है। यह आंतों को शांत कर पाचन को दुरुस्त करती है, जिससे आप खाने के बाद खुद को हल्का महसूस करते हैं। इसलिए अगर खाने के बाद आपको पेंट में ऐंठन या हैवीनेस महसूस होती है, तो एक चम्मच सौंफ खाना काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। खाने के बाद मुंह का स्वाद बदलने और ताजगी पाने के लिए सौंफ से बेहतर कुछ नहीं है। सौंफ के बीजों में एरोमेटिक ऑयल पाए जाते हैं, जिनमें नेचुरल एंटीमाइक्रोबियल प्रॉपर्टीज होती हैं। ये तेल मुंह के उन बैक्टीरिया से लड़ते हैं जो दुर्गंध पैदा करते हैं। चबाकर सौंफ खाने से मुंह में लार ज्यादा बनती है, जो न केवल सांसों की बदबू को दूर करता है, बल्कि दांतों और मसूड़ों की स्वच्छता बनाए रखने में भी मदद करता है।

एआई नवाचार की अगली लहर का नेतृत्व

फरवरी 2026 में अमेरिका और भारत के शोधकर्ता और विशेषज्ञ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में अमेरिका-भारत शोध सहयोग निर्माण पर कार्यशाला के लिए मोहाली में एकत्र हुए। इस कार्यक्रम की मेजबानी प्लाक्षा यूनिवर्सिटी ने अमेरिकी दूतावास नई दिल्ली के सहयोग से की थी। इसका उद्देश्य स्पष्ट था: संवाद से आगे बढ़कर एआई अनुसंधान में स्थायी और व्यावहारिक साझेदारियां बनाना। इस कार्यशाला ने प्रगति के साथ-साथ विकास के क्षेत्रों को भी उजागर किया। अमेरिका अग्रिम एआई अनुसंधान में अग्रणी बना हुआ है, जबकि भारत एक विशाल और कुशल प्रतिभा समूह तथा व्यापक वास्तविक-विश्व अनुप्रयोग संदर्भ प्रदान करता है। विशेषज्ञों ने सहयोग को मजबूत करने के लिए वित्तपोषण और संस्थागत प्राथमिकताओं को और अधिक समन्वित करने के अवसरों की भी पहचान की। इन निष्कर्षों ने उन शोधकर्ताओं के साथ गहन चर्चाओं के लिए आधार तैयार किया जो अमेरिका-भारत एआई पहलों को आकार दे रहे हैं। वास्तव में, अमेरिका-भारत सहयोग एआई में बहुत उच्च स्तर पर है, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो के कंप्यूटिंग, सूचना और डेटा विज्ञान स्कूल के विशिष्ट प्रोफेसर और डीन राजेश गुप्ता कहते हैं। मैं यह इसलिए जानता हूं क्योंकि मैं भारत में छह एआई स्कूलों के निर्माण में शामिल हूं, और अमेरिका की फाउंडेशन उन्हें मदद दे रही हैं। इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग के प्रोफेसर राजीव बरुआ कहते हैं कि सहयोग अधिक रणनीतिक और संस्थागत होता जा रहा है। पूरकता स्पष्ट है: अमेरिका अग्रिम अनुसंधान और वैश्विक उत्पाद पारिस्थितिकी तंत्र में गहराई प्रदान करता है, जबकि भारत व्यापक स्तर पर उत्कृष्ट प्रतिभा और विविध वास्तविक-विश्व अनुप्रयोग संदर्भ प्रदान करता है, वह कहते हैं। सबसे बड़ा साझा अवसर विश्वसनीय, सुरक्षित और लागत-प्रभावी एआई सिस्टम बनाना है, जिन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अपनाया जा सके। बरुआ ने कार्यशाला से तीन प्रमुख निष्कर्षों को रेखांकित किया: संस्थानों के बीच सहयोग को सक्षम बनाने के लिए साझा अनुसंधान अवसंरचना का निर्माण, शिक्षा को एक प्रभाव-गुणक के रूप में उपयोग करना, और शुरुआत से ही एआई सिद्धांतों जैसे सुरक्षा, संरक्षा और मजबूती को शामिल करना। शिक्षा और प्रतिभा विकास दीर्घकालिक सहयोग की नींव बने हुए हैं। गुप्ता ऐतिहासिक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर की ओर संकेत करते हैं। अमेरिकी सरकार ने आठ अमेरिकी विश्वविद्यालयों को साथ लाकर आईआईटी कानपुर के निर्माण में मदद की। उन विश्वविद्यालयों को शायद कभी पता भी नहीं था कि कानपुर कहां है, लेकिन उन्होंने संपर्क स्थापित किए, वह कहते हैं। आज, भारत के उभरते एआई संस्थान समान साझेदारियों से लाभ उठा सकते हैं। आईआईटी पलक्कड़, आईआईटी रोपड़ और आईआईटी गुवाहाटी सहित कई भारतीय संस्थानों में अब एआई पर केंद्रित स्कूल हैं। इन संस्थानों को अमेरिकी साझेदारों से जोड़ना सहयोग को तेज कर सकता है, गुप्ता कहते हैं। वह जोड़ते हैं कि सहयोग अक्सर जमीनी स्तर से शुरू होता है। लोग सोचते हैं कि सहयोग के लिए बड़ा बजट या उच्च-स्तरीय समझौता चाहिए। लेकिन वास्तव में यह जमीनी स्तर से शुरू होता है, वह समझाते हैं। यदि हाई स्कूल और ग्रेजुएट स्तर के विद्यार्थी इन नए विषयों को सीखना शुरू करते हैं, तो वे भविष्य के लिए प्रतिभा स्रोत बन जाते हैं, जैसे आईआईटी बने। बरुआ प्रतिभा पाइपलाइन और सहयोग को मजबूत करने के लिए व्यावहारिक उपायों पर जोर देते हैं। द्विपक्षीय कार्यक्रम जो द्वि-राष्ट्रीय टीमों का समर्थन करते हैं और वास्तविक दुनिया पर प्रभाव डालने पर जोर देते हैं, विशेष रूप से प्रभावी होते हैं, वह समझाते हैं। सफल सहयोग में तीन विशेषताएं होती हैं: स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्य, कोड, डेटा या बेंचमार्क जैसे साझा संसाधन, और सह-मार्गदर्शन, यात्राओं और नियमित कार्यशालाओं के माध्यम से निरंतर व्यक्तिगत संपर्क। सफल साझेदारियां अमेरिका की बौद्धिक स्वतंत्रता की संस्कृति से भी लाभान्वित होती हैं, जहां व्यक्ति उम्र या डिग्री की परवाह किए बिना चुनौतियों को स्वीकार कर सकते हैं, जिससे सीमाओं के पार नवाचार को बढ़ावा मिलता है। एआई का उदय इस सवाल को भी उठाता है कि समाज स्वायत्त प्रणालियों पर नजर कैसे रखे। गुप्ता कहते हैं कि जहां पारंपरिक मशीनें मानव निर्देशों का पालन करती हैं, वहीं एआई प्रणालियां तेजी से स्वायत्त निर्णय लेने लगी हैं, जिससे संचालन फ्रेमवर्क आवश्यक हो जाते हैं। चूंकि मशीनें केवल भौतिक नियमों का पालन करती हैं, सामाजिक नियमों का नहीं, इसलिए हमें ऐसी संचालन व्यवस्थाएं विकसित करनी होंगी जो एआई का मार्गदर्शन करें, वह कहते हैं।

महिलाओं में मौत की बड़ी वजह है सर्वाइकल कैंसर

सेहत और बीमारियों को लेकर लोगों के बीच काफी जागरुकता आई है, लेकिन ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) वैक्सीन को लेकर आज भी लोगों के मन में हिचकिचाहट है। यह सिर्फ ग्रामीण इलाकों में ही नहीं, बल्कि शहरों में भी देखने को मिलता है। यह वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव में असरदार है, जो भारतीय महिलाओं में आज भी मौत का प्रमुख कारण है। फिर भी एचपीवी वैक्सीन को लेकर लोगों के मन में इतना संकोच क्यों है? आइए जानें इसके पीछे के कारण। एचपीवी वैक्सीन को लेकर हिचकिचाहट की सबसे बड़ी वजह जानकारी की कमी है। शिक्षित आबादी के बीच भी एचपीवी के बारे में जानकारी काफी सीमित है। सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक खबरें और सुरक्षा को लेकर डर इस समस्या को और बढ़ा देते हैं। अक्सर लोग इसके साइड इफेक्ट्स और फर्टिलिटी पर पड़ने वाले असर को लेकर डरे रहते हैं, जबकि सच्चाई इसके बिल्कुल उलट है। एचपीवी एक सेक्शुअली ट्रांस्मिटेड इन्फेक्शन (एसटीआई) है, इसलिए टीनएजर्स के वैक्सीनेशन पर बात करते समय माता-पिता अक्सर असहज महसूस करते हैं। सेक्शुअल हेल्थ पर खुलकर चर्चा न होने के कारण लोग जानकारी लेने के बजाय इस विषय से बचना बेहतर समझते हैं। साथ ही, कई लोग खुद को इस बीमारी के जोखिम से बाहर मानते हैं। शहरी इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर तो हैं, लेकिन एचपीवी वैक्सीन की कीमत इसे कई लोगों की पहुंच से दूर या महंगा बना देती है। इसके अलावा, कई बार डॉक्टर भी समय की कमी या मरीज की प्रतिक्रिया के डर से खुद आगे बढ़कर इस वैक्सीन की सलाह नहीं देते। मिथक- यह वैक्सीन नई है और इसके लंबे समय के प्रभावों का पता नहीं है। सच- यह वैक्सीन नई नहीं है, बल्कि सालों से इस्तेमाल हो रही है। हां, लोगों को इसके बारे में जानकारी अब मिलने लगी है। डब्ल्यूएचओ और सीडीसी जैसी संस्थाओं ने इसकी सुरक्षा की पुष्टि की है। मिथक- इससे ओवेरियन फेलियर या ऑटोइम्यून बीमारियां होती हैं। सच- 10 लाख महिलाओं के अध्ययन में ओवेरियन फेलियर का कोई संबंध नहीं पाया गया। टीका लगवा चुके और न लगवाने वाले लोगों में बीमारियों या मृत्यु की दर समान है। मिथक- बच्चे सेक्शुअली एक्टिव नहीं हैं, तो वैक्सीनेशन की क्या जरूरत? सच- कम उम्र यानी 15 साल से पहले में वैक्सीनेशन से बेहतर इम्यून रिस्पॉन्स मिलता है और कम खुराकों की जरूरत होती है। मिथक- पुरुषों को इसकी जरूरत नहीं है।

बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर 2 की कमाई में आई गिरावट

रणवीर सिंह की फिल्म *धुरंधर 2: द रिवेंज* ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है, लेकिन अब इसके कलेक्शन में गिरावट के संकेत मिलने लगे हैं। रिलीज के 21वें दिन फिल्म की कमाई पहली बार सिंगल डिजिट में पहुंच गई है, जिससे साफ है कि इसकी रफ्तार अब धीमी पड़ने लगी है। सैकनिल्क के अनुसार फिल्म ने 21वें दिन 7.90 करोड़ रुपए का कारोबार किया, जो अब तक का सबसे कम कलेक्शन है। इससे पहले 20वें दिन फिल्म ने 10.10 करोड़ और 19वें दिन 10 करोड़ रुपए की कमाई की थी। इसके बावजूद फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 1,041.27 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है और इसने बाहुबली 2: द कन्क्लूजन के लाइफटाइम कलेक्शन को भी पीछे छोड़ दिया है।

सत्यमेव जयते

GOVERNMENT OF ASSAM
Higher Education Department

COMMENCEMENT OF REGISTRATION FOR U.G. ADMISSIONS
SESSION 2026-27

Registration for students seeking admission into Four-Year Undergraduate Programmes and Five-Year Integrated Master's Programmes in Higher Education Institutions of Assam for the Academic Year 2026–27 shall commence on 11 April 2026 through the SAMARTH Admission Portal.

IMPORTANT DATES
Portal Opens: **11 April 2026 | 4 PM**
Commencement of Registration: **11 April 2026 | 4 PM onwards**
Further dates shall be notified in due course.

HOW TO APPLY
1. Register and create account through the Admission Portal.
2. Use your **OWN Mobile Number** and **OWN Email ID** for Registration and to log in to the Portal.
3. Complete your Profile and submit.
(All future communications regarding admission will be made through the registered mobile number and email ID)

APAAR ONE NATION ONE STUDENT ID
Students are encouraged to link their APAAR ID during registration. Those who do not already have an APAAR ID are advised to register for the same before registering on the Admission Portal.

DOCUMENTS REQUIRED
1. Recent Passport-size photograph.
2. Scanned signature of the applicant.
Details of other documents required for registration are available on the portal.

APPLICATION PORTAL
Assam State Higher Education Admission Portal
https://assamadmission.samarth.ac.in/index.php/site/login
Refer to the Manual available on the Portal for detailed instructions.

For official updates, follow :
Directorate of Higher Education, Assam | Universities & Colleges concerned
-- DIPR /D/VBS-3/10-Apr-26

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**